श्रावण शुक्ल पक्ष द्वितीया संवत् 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-10, अंक - 40 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
14 अगस्त 2026 शुक्रवार

आज का मौसम
27.8 अधिकतम
23.2 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

देसी डीएपी कंपनियां बदहाल... किसान-केंद्रित व्यवस्था या कंपनी-केंद्रित मॉडल?

एक नीति, कई सवाल...किसान के नाम पर खाद सब्सिडी, पैसा विदेशी कंपनियों के खाते में!

दोपहर मेट्रो
पड़ताल पार्ट-2
राजेश सिरोठिया

खत्म नहीं हो रहीं किसानों की कतारें, रबी में और बड़ा रूप ले सकता है खरीफ में दिखा संकट

भोपाल। डीएपी संकट की सबसे बड़ी विडंबना यह नहीं है कि खाद कम है, बल्कि यह है कि सरकार खाद पर सब्सिडी लगातार बढ़ा रही है, लेकिन उसका सीधा लाभ किसान के हाथ तक नहीं पहुंचता। मौजूदा व्यवस्था में सब्सिडी का भुगतान किसान के बैंक खाते में नहीं, बल्कि विदेशी खाद कंपनियों को वास्तविक बिक्री के आधार पर किया जाता है। केंद्र सरकार के आधिकारिक ढांचे के अनुसार यह पूरी प्रणाली 'डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर' कहलाती है, लेकिन लाभार्थी किसान नहीं, आपूर्ति श्रृंखला की कंपनियां हैं।

यहीं से एक बुनियादी सवाल खड़ा होता है। जब लाभ किसान के खाते में नहीं, तो यह 'डायरेक्ट बेनिफिट' किसका है? किसान-केंद्रित व्यवस्था या कंपनी-केंद्रित मॉडल? सरकार ने पिछले वर्षों में खाद सब्सिडी को पारदर्शी और डिजिटल बनाने के लिए कई कदम उठाए हैं। आधार, भूमि रिकॉर्ड, फसल डेटा और किसान आईडी जैसी व्यवस्थाएं इसी ढांचे का हिस्सा हैं। लेकिन जमीन पर स्थिति जटिल है। किसान की जरूरत स्थिर नहीं होती। एक खेत में सोयाबीन, दूसरे में धान। कहीं सिंचाई उपलब्ध, कहीं पूरी तरह वर्षा आधारित खेती। बोवनी की तारीख मौसम तय करता है, सिस्टम नहीं। ऐसे में सवाल यह है कि क्या कोई सॉफ्टवेयर खेत की बदलती वास्तविकता को समझ सकता है, या किसान को ही सिस्टम के हिसाब से ढलना पड़ेगा?

डिजिटल मॉडलः सुधार या जटिलता?

मध्यप्रदेश सहित कई राज्यों में खाद वितरण को डिजिटल टोकन, फार्मर आईडी और सॉफ्टवेयर आधारित आवंटन से जोड़ने के प्रयोग हुए हैं। लेकिन इन प्रयोगों के साथ व्यवहारिक समस्याएं भी सामने आई हैं। कतारें, सर्वर फेल, डेटा मिसमैच और वास्तविक जरूरत से अलग आवंटन। अब यदि इसी मॉडल को 2 अक्टूबर से देशभर में लागू करने की तैयारी है, तो सवाल सिर्फ तकनीक का नहीं, बल्कि उसकी जमीनी विश्वसनीयता का है। पहले यह स्पष्ट होना चाहिए कि कितने किसानों को समय पर खाद मिली? कितनों को टोकन मिला लेकिन खाद नहीं? कितने मामलों में फार्मर आईडी और वास्तविक खेत डेटा में अंतर रहा? कितने किसान ऐसे रहे जिनकी जरूरत सिस्टम के तय मानकों से अलग थी ? और सबसे अहम सवाल - क्या डिजिटल सिस्टम ने खाद की उपलब्धता बढ़ाई, या सिर्फ कतार को डिजिटल कर दिया?

सब्सिडी बढ़ी, संकट क्यों नहीं घटा?

मई 2021 में अंतरराष्ट्रीय कीमतों में उछाल के बाद सरकार ने डीएपी पर सब्सिडी बढ़ाकर लगभग 1,200 रु प्रति बोरी तक कर दी थी और हजारों करोड़ रुपये का अतिरिक्त बोझ उठाया गया। इसके बावजूद आज भी कई राज्यों में आपूर्ति संकट सामने आता है। 2026 के खरीफ सीजन के लिए फॉस्फेटिक और पोटाशिक उर्वरकों पर NBS का अनुमानित खर्च 41,533 करोड़ से अधिक बताया गया है। यानी, सब्सिडी बढ़ रही है, सरकारी खर्च बढ़ रहा है, लेकिन किसान की कतारें खत्म नहीं हो रहीं यह विरोधाभास अब नीति की समीक्षा की मांग करता है।

भारत डीएपी के लिए बड़े पैमाने पर आयात और कच्चे माल पर निर्भर है। वैश्विक बाजार में कीमतों में उतार-चढ़ाव का सीधा असर भारतीय आपूर्ति पर पड़ता है। जब अंतरराष्ट्रीय कीमतें बढ़ती हैं, तो सरकार को या तो सब्सिडी बढ़ानी पड़ती है या आपूर्ति पर दबाव झेलना पड़ता है। स्ट्रेट ऑफ़ हॉर्मुज़ में उपजे गतिरोध के पहले भारत जिन पाँच देशों से डीएपी आयात कर रहा था उनमें अमेरिका, मोरक्को यूएई, रूस तथा यूक्रेन शामिल था । रूस - यूक्रेन सप्लाई इन दोनों देशों के बीच यूद्ध के चलते प्रभावित हुई तो बाकी तीन देशों से सप्लाई के हालात 28 फरवरी से शुरू हुई मिडिल ईस्ट की जंग के बाद बिगड़ गए। इस स्थिति में सवाल यह भी है कि क्या भारत ने खाद सुरक्षा को रणनीतिक प्राथमिकता के रूप में पर्याप्त मजबूत किया है? डिजिटल व्यवस्था जमाखोरी और फर्जीवाड़े पर नियंत्रण में मदद कर सकती है, यह स्वीकार्य है। लेकिन समस्या तब शुरू होती है जब तकनीक वास्तविक जरूरत का विकल्प बनने लगती है।

किसान के लिए डेटा नहीं, डीएपी जरूरी है, टोकन नहीं, समय पर खाद जरूरी है, सिस्टम नहीं, खेत की जरूरत जरूरी है। इसलिए फार्मर आईडी एक उपकरण हो सकता है, समाधान नहीं। खरीफ में दिखा संकट रबी में और बड़ा रूप ले सकता है, जब गेहूं, चना और अन्य फसलों के लिए खाद की मांग चरम पर होगी। सरकार के सामने अब सबसे जरूरी कदम यह है कि वह जिलेवार पारदर्शी डेटा सार्वजनिक करे कि कितनी खाद आवंटित हुई, कितनी वास्तव में पहुंची, कितनी खपत हुई और कितनी स्टॉक में बची है। क्योंकि,गोदाम में रखी खाद, किसान की खाद नहीं होती।

रायसेनः एक घटना या चेतावनी?

रायसेन में किसानों का सड़क पर उतरना केवल स्थानीय आक्रोश नहीं है। यह उस व्यवस्था पर सवाल है जिसमें सब्सिडी का आकार तो बढ़ता है, लेकिन उपलब्धता की गारंटी कमजोर रहती है। 41,000 करोड़ से अधिक की सब्सिडी का अर्थ तभी है जब वह समय पर खेत तक खाद पहुंचा सके। वरना सवाल बार-बार लौटेगा कि पैसा बढ़ा, योजना बढ़ी, सब्सिडी बढ़ी... फिर खाद कहां गई? रायसेन की घटना अगर केवल एक जिले की समस्या मान ली गई, तो यह भूल होगी। यह संकेत है कि खाद नीति, सब्सिडी मॉडल,और डिजिटल वितरण प्रणाली, तीनों की एक साथ समीक्षा जरूरी है। यह सवाल रबी तक नहीं सुलझा, तो यह केवल डीएपी का संकट नहीं रहेगा, यह कृषि नीति की विश्वसनीयता का संकट बन जाएगा।

एअर इंडिया पलाइट हादसे में बड़ा खुलासा

तीन सौ नहीं 676 फीट नीचे आया था विमान, 4 सेकंड तक कंट्रोल से बाहर थी फ्लाइट

नई दिल्ली, एजेंसी

एअर इंडिया की फुकेट से दिल्ली की जो उड़ान 4 अगस्त को तकनीकी खराबी का शिकार हुई थी, वह सिर्फ एक मिनट में 300 फीट नहीं, बल्कि 676 फीट नीचे गिरी थी। शुरुआती जांच से पता चला कि 4 सेकंड के लिए मुख्य कंट्रोल सरफेस (जैसे एलिवेटर और एलरॉन) ने पूरी तरह और एक साथ काम करना बंद कर दिया था। उसी हाइड्रोलिक फेलियर की वजह से स्पॉइलर ने भी काम करना बंद कर दिया था।

60 मंजिला इमारत के बराबर ऊंचाई

उड़ान के दौरान अचानक तकनीकी खामी और विमान रुकने का संकेत मिलने और विमान का नोज ऊपर उठने से यह 36,401 फीट की ऊंचाई पर जा पहुंचा। यहां सह पायलट ने आपात उपायों के तहत नोज को नीचे की किया तो यह सिर्फ 60 सेकंड में 676 फीट का गोता लगाकर 35,725 फीट पर आ गया। यह 60 मंजिला इमारत के बराबर ऊंचाई होती है। तेज गिरावट से विमान में सवार कई यात्री, जिन्होंने सीट बेल्ट नहीं लगा रखी थी, अपनी सीटों से उड़ते हुए सामान के केबिन से जा टकराए।

एअर इंडिया के सभी पायलटों का अब हर दिन होगा ड्रग टेस्टः फुकेट से नई दिल्ली वाली उड़ान के बाद एअर इंडिया ने उड़ान सुरक्षा के लिए सभी पायलटों की अनिवार्य ड्रग स्क्रीनिंग शुरू करने का फैसला किया है। एअर इंडिया और एअर इंडिया एक्सप्रेस के 5,000 से अधिक पायलटों की प्रतिबंधित पदार्थों और दवाओं की प्रतिदिन जांच होगी।

न्यूज विंडो

उत्तराखंड-चमोली टनल हादसे में सात की मौत, रेस्क्यू जारी

चमोली। उत्तराखंड के चमोली जिले के पीपलकोटी में गुरुवार शाम 7 बजे निर्माणाधीन टनल में हादसे के बाद रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। टनल में कुल 24 लोग फंसे थे, जिनमें से 14 को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है। इनमें 7 लोगों की मौत हो चुकी है और 3 लोग अभी भी टनल में फंसे हैं। बाहर निकाले गए 14 लोगों में 13 का इलाज गोपेश्वर के जिला अस्पताल में चल रहा है। एक गंभीर घायल को श्रीनगर के हायर सेंटर रेफर किया गया है।

यूएई से भारत लाया गया कुख्यात ड्रग माफिया वीरेंद्र सिंह बसोया

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आज घोषणा की कि नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए अंतरराष्ट्रीय ड्रग माफिया वीरेंद्र सिंह बसोया को संयुक्त अरब अमीरात से वापस भारत ले आई है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट शेयर करते हुए गृह मंत्री ने कहा कि मोदी सरकार विदेशों में छिपे ड्रग तस्करों को लगातार ढूंढ रही है और उनके पूरे नेटवर्क को पूरी सख्ती के साथ खत्म कर रही है।

भोपाल-इंदौर में कल से फिर शुरू होगा दौर

जबलपुर-रीवा, शहडोल और सागर में आज भारी बारिश का अलर्ट जारी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश में बारिश का एक और दौर शुरू हो गया है। पूर्वी हिस्से के जबलपुर, रीवा, शहडोल और सागर संभाग में मानसून का स्ट्रॉन्ग सिस्टम एक्टिव है। मौसम विभाग ने आज 12 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। यहां 24 घंटे में 4 इंच या इससे ज्यादा बारिश हो सकती है। वहीं राजधानी भोपाल में भी अगले दो दिनों में भारी बारिश की संभावना जताई गई है। सागर, नर्मदापुरम, नरसिंहपुर, बालाघाट, मंडला, डिंडौरी, अनूपपुर, शहडोल, कटनी, मऊगंज, सीधी और सिंगरौली में भारी बारिश का अनुमान है। वहीं इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर, रीवा, सतना समेत कई जिलों में कहीं तेज तो कहीं हलकी बारिश हो सकती है।

दो साल बाद स्पिल-वे के ऊपर से बहा पानीः खरगोन जिले के गोगांवा क्षेत्र में लगातार बारिश से साटक जलाशय 100% भरकर ओवरफ्लो हो गया। 18.38 मिलियन क्यूबिक मीटर क्षमता वाला जलाशय स्पिल-वे के ऊपर से बह रहा है। दो साल बाद यह स्थिति बनी है। साटकेश्वर महादेव मंदिर के गर्भगृह में भी पानी भर गया और मंदिर जलमग्न हो गया।

भोपाल में करंट से पिता-पुत्र की मौत

भोपाल के बिलखिरिया थाना क्षेत्र में गुरुवार रात खेत में काम करते समय करंट लगने से पिता-पुत्र की मौत हो गई। हादसा उस समय हुआ, जब 18 वर्षीय आशीष खेत में दवा का छिड़काव कर रहा था। इसी दौरान वह वहां खुले पड़े बिजली के तार की चपेट में आ गया। बेटे को बचाने पहुंचे पिता ब्रजमोहन (44) भी करंट की चपेट में आ गए। रातभर उनके शव खेत में ही पड़े रहे। सुबह जब परिजन खेत पहुंचे तो पिता-पुत्र को मृत हालत में देखकर उनके होश उड़ गए। उन्होंने तत्काल बिलखिरिया पुलिस को सूचना दी।

विशाल तिरंगा यात्रा

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव भोपाल दक्षिण पश्चिम विधानसभा क्षेत्र की विशाल तिरंगा यात्रा में विधायक भगवान दास सबनानी के साथ शामिल हुए। यात्रा में बड़ी संख्या में लोग पैदल और वाहनों के साथ चल रहे थे।

राजस्व अफसर के यहां मिली ढाई करोड़ की संपत्ति

31 साल की नौकरी में 80 लाख वेतन, पत्नी के नाम दो बिल्डिंग

इंदौर। नगर निगम इंदौर के सहायक राजस्व अधिकारी जितेंद्र कुमार पांडेय के ठिकानों पर लोकायुक्त ने छापा मारा है। सुबह करीब 6 बजे लोकायुक्त के 20 अधिकारियों की दो अलग-अलग टीमें पांडेय के घर और उनकी पत्नी भावना के नाम हॉस्टल पर पहुंचीं।

इनमें डीएसपी सुनील तालान, आनंद चौहान, निरीक्षक आशुतोष मिठास और सचिन पटेरिया शामिल हैं।

प्रारंभिक जांच में एआरओ पांडेय की वैध आय की तुलना में करीब 1.73 करोड़ रुपए की अनुपातहीन संपत्ति मिलने की बात सामने आई है।

लोकायुक्त एसपी राजेश सहाय के मुताबिक, पांडेय नगर निगम में करीब 31 वर्ष से नौकरी कर रहे हैं। पूरे सेवाकाल में उन्हें करीब 80 लाख रुपए वेतन के रूप में मिलने का अनुमान है। इसके मुकाबले जांच में करीब 2.53 करोड़ रुपए का खर्च सामने आया है।

आज का कार्टून

मेट्रो एंकर

नलसार यूनिवर्सिटी में छात्रों ने किया था सीजेआई का विरोध, सजा देने की थी तैयारी

जस्टिस सूर्यकांत बोले - मेरे और छात्रों के बीच आने वाला बार काउंसिल कौन?

नई दिल्ली, एजेंसी

हैदराबाद स्थित 'नलसार' (NALSAR) लॉ यूनिवर्सिटी के छात्रों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई और कड़ी पाबंदियां लगाने की बार काउंसिल ऑफ इंडिया की कोशिशों पर सुप्रीम कोर्ट ने बेहद कड़ा रुख अपनाया है। चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने BCI के रवैये पर गहरी नाराजगी जताते हुए स्पष्ट किया कि शांतिपूर्ण विरोध छात्रों का लोकतांत्रिक अधिकार है। सीजेआई ने BCI से सवाल किया कि आखिर किस अधिकार के तहत उसने छात्रों के बीच हुए संवाद में हस्तक्षेप करने और उन पर दंडात्मक कदम उठाने की कोशिश की?

सुप्रीम कोर्ट ने मामले की गंभीरता को देखते हुए नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। इसके साथ ही अदालत ने एक अंतरिम आदेश पारित कर निर्देश दिया कि किसी भी बार काउंसिल के कहने पर नलसार के छात्रों या शिक्षकों के खिलाफ कोई भी अनुशासनात्मक या दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जाएगी।

पूरा विवाद नलसार यूनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह से पहले शुरू हुआ था, जब छात्रों के एक समूह ने सीजेआई के आगमन के विरोध में एक अभियान चलाया था और पत्र लिखा था। इस घटनाक्रम का संज्ञान लेते हुए बार काउंसिल के चेयरपर्सन मनन कुमार मिश्रा ने छात्रों के आचरण को लेकर सख्त निर्देश और सर्कुलर जारी कर दिया था। बार काउंसिल ने छात्रों पर करियर और प्रैक्टिस से रोक लगाने जैसे सख्त रुख का संकेत दिया था। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान BCI की ओर से पेश वकील ने कोर्ट को बताया कि विवादित निर्देशों को वापस ले लिया गया है। इसके बावजूद शीर्ष अदालत ने इस मुद्दे के संवैधानिक महत्व को देखते हुए मामले की सुनवाई जारी रखने का फैसला किया।

सीजेआई सूर्यकांत ने सुनवाई के दौरान कई मानवीय और सख्त टिप्पणियां कीं। उन्होंने कहा 'अगर छात्रों के पास विरोध का कोई कारण है, तो उन्हें इसका पूरा अधिकार है। जब तक वे कानून के दायरे में रहकर शांतिपूर्ण विरोध कर रहे हैं, उनकी आवाज सुनी जानी चाहिए।' सीजेआई ने अपने छात्र जीवन का जिक्र करते हुए कहा कि वह खुद छात्र राजनीति में सक्रिय रहे हैं। युवावस्था में की गई किसी बात या बयान के आधार पर छात्रों का भविष्य बर्बाद नहीं किया जा सकता। उन्होंने ने तल्ख लहजे में कहा, 'यह छात्रों और मेरे बीच संवाद का विषय है। बार काउंसिल इसमें अनावश्यक टांग अड़ाने वाला कौन होता है? उनका इससे कोई लेना-देना नहीं है। '

सीजेआई का छात्रों को न्योता

सुप्रीम कोर्ट ने छात्रों व शिक्षकों के खिलाफ किसी भी दंडात्मक कार्रवाई पर अंतरिम रोक लगा दी। जस्टिस जॉयमाल्या बागची ने बार काउंसिल से पूछा कि क्या विवादित प्रस्ताव पास करने के लिए नियमों के तहत बोर्ड बैठक बुलाई गई थी? सुनवाई के अंत में सीजेआई सूर्यकांत ने छात्रों का मनोबल बढ़ाते हुए उन्हें एक अनोखा न्योता दिया। उन्होंने वकीलों से कहा, 'आप छात्रों से कहिए कि वे जल्द से जल्द अपनी वकालत का लाइसेंस लें और सुप्रीम कोर्ट बार में शामिल हों। हम उन्हें कानूनी सहायता के मामलों के पैनल में शामिल करेंगे।'

हाथ में तिरंगा, चेहरे पर देशभक्ति और दिल में जज्बा...यही हमारी पहचान

देशभक्ति के रंग में डूबा शहर..हर तरफ भारत माता की जयकारे

भोपाल। दोपहर मेट्रो

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत भोपाल में हर दिन कहीं-न-कहीं तिरंगा यात्रा निकाली जा रही है। स्कूली बच्चों में भी देशक्ति का सैलाब नजर आ रहा है। कोई तिरंगा लेकर स्कूल पहुंच रहा है तो कुछ ने अपने चेहरे को ही तिरंगे की शक्ल दे दी है। शुक्रवार को हुजूर विधायक रामेश्वर शर्मा की संस्था 'कर्मश्री' के तत्वावधान में सुबह 10 बजे से कोलार सिक्स लेन पर तिरंगा यात्रा शुरू हुई। इसमें लोगों का उत्साह देखते ही बना। यात्रा बढ़ती गई और लोग सिक्सलेन पर जगह-जगह से आकर शामिल होते रहे। इस बीच स्वतंत्रता दिवस से एक दिन पहले ही स्कूलों में भी बच्चे अलग-अगल स्वतंत्रता सेनानियों के वेष बनाकर पहुंचे।

देशभक्ति में डूबे लोगों ने अपनी मातृभूमि को नमन किया। तिरंगे सी शक्ल बनाई तो किसी ने टाइगर स्टेट मध्यप्रदेश के साथ देश के तिरंगे को ही अपने चेहरे पर आधे-आधे उकेरे। पूरा शहर भारत माता की जयकारों से गूंजता रहा।

ईओडब्ल्यू ने कॉलोनाइजर को बनाया आरोपी

स्कूल की आरक्षित सरकारी भूमि खा गए कॉलोनाइजर, केस दर्ज

भोपाल। दोपहर मेट्रो

ईओडब्ल्यू ने भोपाल की पटेल नगर कॉलोनी में करोड़ों की सरकारी जमीन 3.90 करोड़ में बेचने पर कॉलोनाइजर कंपनी मेसर्स गंधर्व लैंड एंड फाइनेंस प्रालि के डायरेक्टर समेत पांच नामजद लोगों व अन्य के विरुद्ध एफआईआर दर्ज की है। अनुज ग्रोवर और खरीदार जयप्रताप सिंह यादव, अभिषेक आनंद, मनीष नायक व प्रेमानंद नायक सहित अन्य को आरोपी बनाया है। जांच में पता चला है कि पटेल नगर कॉलोनी लगभग 90 एकड़ जमीन पर ग्राम हथाईखेड़ा, खजूरी खुर्द, रायसेन रोड पर बसाई गई थी। कॉलोनी के स्वीकृत नक्शे में स्कूल, पार्क और खुली जगह के लिए जो भूखंड छोड़े गए थे, वे शुरू से नगर निगम के थे। कंपनी के पूर्व संचालक के निधन के बाद उनके पुत्र अनुज ग्रोवर कंपनी के निदेशक बने। अनुज ने स्कूल के लिए आरक्षित 1.212 एकड़ सरकारी जमीन को 27.11.2024 को जय प्रताप सिंह यादव और अभिषेक आनंद को 3.90 करोड़ रुपए में बेच दी।

ऐसी है हालत

- कॉलोनी में पानी सप्लाई को बनाए 3 कुओं में एक को पाटकर वह जगह भी बेच दी।
- कॉलोनी में सड़क, सीवर जैसी सुविधाएं भी नहीं बनाई।

महिला का प्लॉट फर्जीवाड़ा कर बेचा

जांच में पता चला कि इसी कॉलोनी में एक महिला ने वर्ष 1978 में प्लॉट क्रमांक ई-12 के लिए पंजीयन कराया था। वह पूरी राशि भी कंपनी को दे चुकी थी। इसके बाद भी कंपनी रोड, सीवर का काम होने का बहाना बनाकर वर्षों तक रजिस्ट्री टालती रही। महिला उपभोक्ता आयोग पहुंची, जहां कंपनी को ब्याज सहित राशि लौटाने का आदेश दिया, लेकिन कंपनी ने फर्जी दावेदारों के साथ मिलकर आवंटी को बिना बताए यह प्लॉट मनीष और प्रेमानंद नायक को 1.10 करोड़ में बेच दिया।

मानसून से पहले किया था डामरीकरण, अब सड़कों पर निकल आई गिट्टी, फिसल रहे लोग

बारिश से पहले लगाया पैबंद, पांच दिन ही हुई बरसात तो शहर की 1000 किमी सड़कें बर्बाद

भोपाल। दोपहर मेट्रो

राजधानी में पांच दिन की बारिश ने सड़कों की पोल खोल दी। बारिश से ठीक पहले हुए डामरीकरण और पैचवर्क की गुणवत्ता भी उजागर कर दी। शहर में अनुमानित 1000 किमी से ज्यादा की सड़कें उखड़ चुकी हैं। कहीं सड़कें गड्ढों में बदल गई तो कहीं नई बिछाई गई ऊपरी फिनिशिंग लेयर (सील कोट) मिट्टी छोड़ चुकी है। सड़क पर डामर की काली सतह कम और गिट्टी ज्यादा दिख रही है। कई जगह बारिश का पानी गिट्टी को बहाकर ले गया और सड़क पर पतली-पतली नालियां बन गईं, जो यह बताने के लिए काफी हैं कि पानी ने नई परत को किस दायरे से उखाड़ा है। इस बीच सवाल यह है कि सड़क बनाने में मानकों से समझौता किया गया। विशेषज्ञों का कहना है कि जिन सड़कों पर हाल ही में पैचवर्क, डामरीकरण और सील कोट कराया गया था, उनमें जरूरी फिनिशिंग लेयर ही कुछ दिनों में गिट्टी छोड़ दे तो मामला सिर्फ बारिश का नहीं है। विडंबना यह है कि गड्ढा भरने के लिए पैसा खर्च हुआ, उसके ऊपर डामर की परत आई, सील कोट हुआ और कुछ दिन बाद उसी जगह फिर गड्ढा दिखाई देने लगा, यानी एक ही सड़क पर मरम्मत का पैसा दोबारा खर्च होने की जमीन तैयार हो गई। निगम के पास करीब 4,000 किमी तो पीडब्ल्यूडी के पास 573 किमी सड़क है। इसके अलावा एनएचएआई, बीडीए और अन्य एजेंसियों की सड़कें भी हैं। ऐसे में खराब हुई 1000 किमी सड़कों का आंकड़ा कुल सड़क नेटवर्क के मुकाबले भी बड़ा है।

करोंद मंडी से पोस्ट ऑफिस जाने वाली रोड पूरी तरह उखड़ गई है।

ऐसा है मॉडल: पैचवर्क करो..बारिश का इंतजार करो

भोपाल में सड़क का पैचवर्क मॉडल भी बड़ा ही अजीब है। ठीक बारिश से पहले पैचवर्क किया जाता है। 2025 में भी शहर में बारिश के पहले और बाद में अस्थायी मरम्मत की गुणवत्ता पर सवाल उठे थे, क्योंकि 50 करोड़ रुपए सड़कों पर खर्च हुए थे। 2026 में भी बारिश के पहले सड़कों की मरम्मत हुई और बारिश के बाद पैचवर्क अभियान चलेगा।

सड़क पर उखड़ी गिट्टी बता रही पैचवर्क में भ्रष्टाचार की कहानी

रेतघाट से पॉलीटेक्निक जाने वाली सड़क पर फिनिशिंग लेयर गायब हो चुकी है। यहां सड़क पर नालियां नजर आ रही हैं, गिट्टी सड़क पर फैल रही है। पुलिस कंट्रोल रूम से एमवीएम कॉलेज के सामने सड़क पर गड्ढे उभर आए हैं। सुभाष नगर से मैदा मिल की सड़क पर हालिया ऊपरी परत कई हिस्सों में गायब है और नीचे की गिट्टी खुलकर सामने आ गई है। बबीता अपार्टमेंट के पास एक तरफ की सड़क का हिस्सा तक बह चुका है। करोंद मंडी से बेस्ट प्राइज जाने वाली सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढे हैं और उनके आसपास गिट्टी के ढेर जमा हैं। मिसरोद से वीर सावरकर ब्रिज तक कई जगह सड़क उखड़ चुकी है। नर्मदापुरम रोड, रायसेन रोड, अवधपुरी, अयोध्या बायपास, रातीबड़, एमपी नगर और लिंक रोड नंबर-2 पर सड़कें टूट गई हैं।

कहीं पैचवर्क में गड़बड़ी रह गई..

पीडब्ल्यूडी के रिटायर इंजीनियर शैलेंद्र सेठी की मानें तो सड़क की सबसे ऊपर की फिनिशिंग लेयर का उद्देश्य सतह को सील करना और पानी को रोकना होता है। लेकिन यहां सील कोट की गिट्टी ही बह गई। इसके कई कारण हो सकते हैं।

- सड़क की सतह साफ न होना।
- बिटुमेन की गुणवत्ता या मात्रा।
- गिट्टी की गुणवत्ता का भी ध्यान रखना पड़ता है।
- सीलिंग में कमी से सड़कें उखड़ती हैं।
- पानी की निकासी न हो पाने से भी सड़क खराब हो सकती है।

लैब टेस्ट करें तो पता चलेगा सच

सिविल इंजीनियर दानिश परवेज का कहना है कि सड़क की गुणवत्ता की जांच में यह भी देखना जरूरी है कि बिटुमेन तय मानकों वाला था या उसमें कोई अनाधिकृत पदार्थ (ऑयल) मिलाया गया। इसके इस्तेमाल से बिटुमेन की चिपचिपाहट और एग्रीगेट से उसकी पकड़ प्रभावित हो सकती है। यदि सड़क का लैब टेस्ट किया जाए तो हकीकत सामने आ सकती है।

यह भी जानें

- बिटुमेन का ग्रेड और उसके भौतिक गुण।
- बिटुमेन में किसी अनाधिकृत तेल/सॉल्वेंट की मौजूदगी।
- सील कोट में इस्तेमाल गिट्टी की ग्रेडिंग, सफाई, गुणवत्ता।
- बिटुमेन-एग्रीगेट बॉन्ड और नमी से स्ट्रिपिंग की स्थिति।
- सड़क के निर्माण रिकॉर्ड से बिटुमेन की मात्रा, मिश्रण का अनुपात, रोलर के पास मिलाएं तो पता चलेगा सड़क बारिश से खराब हुई या निर्माण में कमी से।

सड़क किनारे हरियाली बिखरेने की कवायद

अब पेड़ सूखे तो एसडीओ और सब इंजीनियर पर की जाएगी कार्रवाई

भोपाल। दोपहर मेट्रो

सडक़ों के निर्माण और रखरखाव के साथ अब सडक़ किनारे लगाए गए पौधों और पेड़ों की जिम्मेदारी भी लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के इंजीनियरों की तय कर दी गई है। सडक़ किनारे लगाए गए पौधों के सूखने या संरक्षण और रखरखाव में लापरवाही मिली तो संबंधित अफसर पर सख्त कार्रवाई होगी। विभाग ने साफ किया कि ऐसे मामलों में संबंधित एसडीओ और सब इंजीनियर की जिम्मेदारी तय होगी। लोक निर्माण विभाग मंत्रालय ने निर्देश जारी करते हुए प्रमुख अभियंता (सडक़ एवं भवन) को पौधों और पेड़ों के संरक्षण को लेकर सख्ती से निगरानी करने के निर्देश दिए हैं।

विभाग के निर्देश के मुताबिक सडक़ निर्माण और मार्गों के निरीक्षण के दौरान कई स्थानों पर पौधों के संरक्षण से जुड़े तय मानकों का ठीक से पालन नहीं पाया गया। इसे गंभीरता से लेते हुए अब अधिकारियों की जिम्मेदारी तय करने का फैसला लिया गया है। निर्देश दिए गए हैं कि सडक़ किनारे लगाए हर पौधे के तने के चारों ओर मानक के अनुसार 45 सेंटीमीटर तक मिट्टी और मुरम की मल्चिंग की व्यवस्था की जानी है। पौधों की नियमित सुरक्षा और रखरखाव की निगरानी भी जरूरी होगी। बता दें, भोपाल में ऐसे ही मामले में एक सब इंजीनियर को पहले ही निलंबित किया जा चुका है। अब प्रदेशभर में पौधों के संरक्षण को लेकर निगरानी और सख्त करने के निर्देश दिए गए हैं।

ऐसे आदेश भी

- निर्माण एजेंसी और ठेकेदार के निर्देश का पालन न करने पर कार्रवाई होगी।
- पौधों के संरक्षण में लापरवाही मिलने पर तत्काल कार्रवाई की जाएगी।

एमपी बोर्ड का फैसला

यदि माता-पिता दोनों नहीं तो बोर्ड करेगा परीक्षा की पूरी फीस माफ

भोपाल। दोपहर मेट्रो

आर्थिक तंगी के कारण किसी बच्चे की पढ़ाई और परीक्षा नहीं रुकेगी। माध्यमिक शिक्षा मंडल (माशिमं) ने अनाथ विद्यार्थियों के लिए राहतभरा फैसला लिया है। जिन विद्यार्थियों के माता और पिता दोनों का निधन हो चुका है, उन्हें मंडल की परीक्षाओं में परीक्षा शुल्क और नामांकन शुल्क नहीं देना होगा। ऐसे विद्यार्थी जो माता-पिता के निधन के बाद रिश्तेदार के आश्रय में पढ़ाई कर रहे हैं या सरकारी अनाथालय में रहकर पढ़ रहे हैं, उन्हें मंडल अपनी परीक्षाओं में शुल्क से छूट देगा।

ये प्रमाण पत्र चाहिए

शुल्क माफी का लाभ लेने के लिए विद्यार्थी को परीक्षा फॉर्म भरते समय माता और पिता के मृत्यु प्रमाण-पत्र देने होंगे। शासन संचालित या मान्यता प्राप्त संस्था से ऐसा प्रमाण-पत्र देना होगा, जिसमें प्रमाणित हो कि विद्यार्थी वहां रहकर पढ़ रहा है। व्यवस्था 2026-27 की परीक्षाओं से लागू की गई है। यानी आगामी परीक्षाओं में विद्यार्थियों को लाभ मिलेगा।

लघुकथा गूगल गोष्ठी में शब्द बनकर उतर आए समाज के मुद्दे

लघुकथाकार कांता रॉय बोलीं-कम से कम शब्दों में बड़ी बात कहना ही लघुकथा की विशेषता है

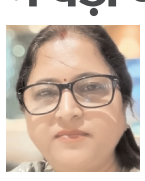

भोपाल। दोपहर मेट्रो

'कम से कम शब्दों में बड़ी बात कहना ही लघुकथा की विशेषता है। लेखन से लेखक का व्यक्तित्व झलकता है। इसमें उसका विषय का चयन व भाषा शिल्प नजर आता है। ऋचा जी की लघुकथाओं में विषय की विविधता है। शिल्प की सहजता है। यह उदगार हैं वरिष्ठ लघुकथाकार कांता रॉय निदेशक लघुकथा शोध केंद्र समिति भोपाल के, जो लघुकथा शोध केंद्र भोपाल के सासाहिक ऑन लाइन बुधवारीय लघुकथा गूगल गोष्ठी एवं विमर्श में डॉ.ऋचा शर्मा अहिल्या बाई नगर, महाराष्ट्र द्वारा प्रस्तुत लघुकथाओं पर विमर्श में भाग लेते हुए मुख्य वक्ता के रूप में बोल रही थीं। अतिथियों का स्वागत लघुकथा शोध केंद्र के महासचिव घनश्याम मैथिल 'अमृत' ने किया। डॉ. ममता माली मुंबई ने गोष्ठी का संचालन किया।

कथाओं में उभरे मुद्दे

डॉ. ऋचा शर्मा ने भात 'लैंगिक असमानता पर बुनी गई, 'सलमा बनाम सोन चिरैया' सपंन्न घर में स्त्री का एकाकीपन, 'भगवान का सरनेम' जाति पांति और मजहब के भेदभाव पर प्रहार करती,' ठूंठ ' अकेले होते बुजुर्गों की व्यथा एक सूखे पेड़ के माध्यम से अभिव्यक्त करती लघुकथा, 'हद' पुरुष समाज के चरित्र और व्यवहार में दोहरेपन को बेनकाब करती लघुकथाओं का वाचन किया। इन लघुकथाओं पर डॉ. आदर्श प्रकाश, पदम गोधा,मधु जैन, डॉ. दिलीप बच्चानी, अनीता रश्मि, पूर्णिमा ढिल्लन, डॉ. सरस दरबारी ने संक्षिप्त टिप्पणी की।

30 गांव के लोगों की समस्याएं दूर करेंगे

मुगालिया हाट में आज शिविर ई-बस से पहुंचे कमिश्नर-आईजी

भोपाल। दोपहर मेट्रो

मुगालिया हाट में आज मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत शिविर शुरू हो गया है। इसमें आसपास के 30 गांव के लोगों की विभिन्न समस्याएं दूर की जाएगी। शिविर में शामिल होने के लिए कमिश्नर कर्मवीर शर्मा, आईजी राजेश सिंह चंदेल, कलेक्टर प्रियंक मिश्रा समेत अन्य जिला अधिकारी 2 इलेक्ट्रिक बसों से रवाना हुए।

एसपी देहात पंकज पांडे, जिला पंचायत सीईओ इला तिवारी समेत जिला अधिकारी भोपाल कलेक्टोरेट से इलेक्ट्रिक बस में मुगालिया हाट पहुंचे।

इनकी समीक्षा होगी

सीएम हेल्पलाइन, जनसुनवाई, लोक सेवा गारंटी अधिनियम और राजस्व प्रकरण की समीक्षा के साथ किसान आईडी, आयुष्मान कार्ड समेत अन्य योजनाओं की समीक्षा होगी। उद्यमियों से संवाद भी करेंगे।

मेट्रो एंकर अंतिम नवाब की दूसरी पत्नी आफताब जहां बेगम की संपत्तियों से जुड़ा है मामला

भोपाल के नवाब की संपत्ति बेचने की शिकायत पर जांच शुरू

भोपाल। दोपहर मेट्रो

भोपाल के अंतिम नवाब हमीदुल्लाह खान की दूसरी पत्नी आफताबजहां बेगम से जुड़ी संपत्तियों की बिक्री के मामले में आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (ईओडब्ल्यू) ने जांच शुरू कर दी है। शिकायतकर्ता समाजसेवी अमिताभ अग्निहोत्री से 12 अगस्त को ईओडब्ल्यू कार्यालय में पूछताछ की गई। वे अपने अधिवक्ता के साथ पहुंचे। दस्तावेज और लिखित सुझाव जांच अधिकारी को सौंपे। अग्निहोत्री ने 3 जुलाई को ईओडब्ल्यू के महानिदेशक को ज्ञापन देकर संपत्तियों की बिक्री और पुराने राजस्व रिकॉर्ड की जांच की मांग की थी। ईओडब्ल्यू ने उन्हें 12 अगस्त को पेश होने पत्र जारी किया था।

1395 एकड़ थी निजी संपत्ति

अग्निहोत्री ने ईओडब्ल्यू को दिए सुझाव में 30 अप्रैल 1949 के मर्जर एग्रीमेंट और उससे पहले तैयार नवाब की व्यक्तिगत संपत्तियों के रिकॉर्ड की जांच की मांग की है। उन्होंने मप्र शासन की तत्कालीन प्रमुख सचिव की हाईकोर्ट में पेश रिपोर्ट का हवाला देते हुए सवाल उठाया कि मर्जर एग्रीमेंट में नवाब की निजी संपत्ति 1395 एकड़ दर्ज थी, फिर नौ गांवों में 1984.13 एकड़ जमीन नवाब परिवार के नाम कैसे दर्ज हुई।

कस्टोडियन के आदेश पर 4 साल में क्या हुआ

शिकायतकर्ता अमिताभ अग्निहोत्री ने भारत सरकार के कस्टोडियन विभाग के 21 दिसंबर 2021 के पत्र और भोपाल कलेक्टर के 11 जनवरी 2022 के पत्र को भी जांच का आधार बनाया है। उनके अनुसार कस्टोडियन विभाग ने कुछ संपत्तियों को शत्रु संपत्ति के रूप में दर्ज करने और विचाराधीन संपत्तियों के हस्तांतरण के लिए कस्टोडियन की अनुमति जरूरी होने की बात कही थी। कलेक्टर ने तहसीलदारों को सात दिन में दस्तावेजों सहित पालन प्रतिवेदन देने के निर्देश दिए थे। अग्निहोत्री ने ईओडब्ल्यू से पूछा है कि इन आदेशों पर पिछले चार वर्षों में क्या कार्रवाई हुई।

ये है पूरा मामला

दरसअल, समाजसेवी अग्निहोत्री ने ईओडब्ल्यू को साक्ष्यों सहित शिकायत देकर जांच की मांग की थी। उनका आरोप था कि शत्रु संपत्ति अधिनियम लागू होने के बावजूद पाकिस्तान निवासी होने का तथ्य छिपाकर करोड़ों रुपए की भूमि का सौदा किया गया, जिससे सरकार को भारी राजस्व हानि भी हो सकती है। दावा किया है, 31 मई 1994 को आफताब जहां बेगम ने बेहटा क्षेत्र की 30.55 एकड़ भूमि एक सहकारी गृहनिर्माण संस्था को मात्र 30.55 लाख रुपए में बेच दी। यह सौदे के समय केवल 1.55 लाख रुपए चेक से लिए, शेष 29 लाख रुपए चार किस्तों में लेने का अनुबंध किया था। 1959 के राजस्व अभिलेखों के अनुसार आफताब जहां बेगम के नाम बेहटा में लगभग 655 एकड़ और बोरबन क्षेत्र में करीब 102 एकड़ भूमि दर्ज थी। आरोप है कि पाकिस्तान निवासी होने के कारण यह संपत्ति शत्रु संपत्ति की श्रेणी में आ सकती थी, इसलिए इसकी खरीद-बिक्री, नामांतरण, भवन अनुमति और अन्य प्रशासनिक स्वीकृतियों की वैधता की भी जांच होनी चाहिए। उन्होंने यह भी मांग की है कि जांच में यह स्पष्ट किया जाए कि बिक्री के समय आफताब जहां बेगम भारत में मौजूद थीं या नहीं, उनके पासपोर्ट और यात्रा अभिलेखों का सत्यापन किया जाए।

प्रहरी को चमका दे हथकड़ी सरकाकर भागा था

हमीदिया से भागे बदमाश को पुलिस ने 4 घंटे बाद ही पकड़ा

भोपाल। दोपहर मेट्रो

हमीदिया अस्पताल की इमरजेंसी वार्ड में लाया गया बंदी गुरुवार सुबह चकमा देकर फरार हो गया। आरोपी ने सुरक्षा में तैनात प्रहरी सतीश धाकड़ से मारपीट की और हथकड़ी समेत वार्ड से बाहर निकल गया। भागते समय वार्ड का दरवाजा बंद कर दिया था। जेल प्रशासन ने करीब चार घंटे बाद उसे जहांगीराबाद के मुर्गी बाजार से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी सोहेल खान को प्रतिबंधात्मक कार्रवाई के तहत एसीपी टीटी नगर अंकित खतरकर ने 9 अगस्त को जेल भेजा था। उस पर पहले भी कई आपराध दर्ज हैं। जेल प्रबंधन के अनुसार उसकी मानसिक स्थिति को देखते हुए गुरुवार सुबह उपचार के लिए हमीदिया अस्पताल भेजा गया था।

अस्पताल के सीसीटीवी फुटेज में आरोपी सोहेल और जेल प्रहरी सतीश धाकड़ मरीजों के साथ लाइन में दिखाई दे रहे हैं। इसी दौरान आरोपी नीचे झुकता है और कलाई से हथकड़ी निकालता है और चप्पल हाथ में लेकर दौड़ लगा देता है। बाद में उसे पकड़ा गया।

'संसद यूथ पार्लियामेंट 2026' में सीएम मोहन का आह्वान

राजनीति में आएं युवा, लोकतंत्र को दें नई ताकत

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने युवाओं से राजनीति में सक्रिय भागीदारी का आह्वान करते हुए कहा कि देश के युवा डॉक्टर और इंजीनियर बनने के साथ राजनीति में भी आएं और लोकतंत्र को मजबूत बनाने में अपनी भूमिका निभाएं। उन्होंने कहा कि युवाओं को लोकतंत्र, संसदीय परंपराओं और नीति निर्माण की प्रक्रिया से जोड़ना देश के भविष्य के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। मुख्यमंत्री विधानसभा भवन स्थित विधान परिषद में आयोजित 'संसद यूथ पार्लियामेंट 2026' के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने स्वतंत्रता आंदोलन के महानायकों का स्मरण करते हुए कहा कि देश की आजादी के लिए अनेक स्वतंत्रता सेनानियों ने अपना सर्वस्व न्योछावर किया। नेताजी सुभाषचंद्र बोस ने आईसीएस की परीक्षा उत्तीर्ण करने के बावजूद अंग्रेजों की नौकरी स्वीकार नहीं की और देश को गुलामी से मुक्त कराने के लिए स्वतंत्रता आंदोलन में कूद पड़े। उन्होंने कहा कि आज के युवाओं को भी देशहित को सर्वोपरि रखते हुए लोकतंत्र और राष्ट्र निर्माण में योगदान देना चाहिए।

केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि देश के भविष्य को लेकर युवाओं के विचार और चिंतन का मंच है। 12 राज्यों और 58 नगरों के युवाओं की भागीदारी इसे लघु भारत का स्वरूप प्रदान करती है। उन्होंने कहा कि सदन कल्याणकारी नीतियों के निर्माण का महत्वपूर्ण केंद्र है और युवाओं को इसकी कार्यप्रणाली समझना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि युवा संसद में बेटियों की सक्रिय भागीदारी महिला सशक्तीकरण का प्रभावी उदाहरण है। भारतीय संस्कृति में मातृशक्ति को सर्वोच्च स्थान दिया गया है और 'वसुधैव कुटुम्बकम' की भावना हमारी परंपरा का मूल आधार है।

समान नागरिक संहिता पर भी रखी बात

मुख्यमंत्री ने मध्यप्रदेश में समान नागरिक संहिता को लेकर किए गए प्रयासों का उल्लेख करते हुए कहा कि इसके लिए व्यापक स्तर पर सुझाव लिए गए हैं। सभी जिलों और विभिन्न धर्मों के लोगों ने अपने विचार दिए। उन्होंने दावा किया कि सर्वे में 76 प्रतिशत मुस्लिम महिलाओं ने समान नागरिक संहिता का समर्थन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश देश के बड़े राज्यों में अग्रणी है, जिसने यूसीसी लागू करने की दिशा में विधेयक पारित किया है। विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि मध्यप्रदेश देश का हृदय प्रदेश होने के साथ नेतृत्व और संस्कारों की भूमि भी है। उन्होंने कहा कि युवा अवस्था में व्यक्ति अपने विकास के साथ देश के भविष्य को दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।उन्होंने आदिगुरु शंकराचार्य, चंद्रशेखर आजाद, भगत सिंह, राजगुरु, सुखदेव, अशफाक उल्लाह खां और रामप्रसाद बिस्मिल जैसे महापुरुषों का उदाहरण देते हुए कहा कि अनेक महान व्यक्तित्वों ने युवावस्था में ही देश के लिए निर्णायक योगदान दिया। उन्होंने युवाओं से विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।

युवा सांसद ने सरकार की योजनाओं को सराहा

युवा सांसद की भूमिका निभा रहे आरब सिंह शर्मा ने मुख्यमंत्री की युवा और रोजगार केंद्रित नीतियों की सराहना की। उन्होंने कहा कि युवाओं को नौकरी पाने वाला नहीं, बल्कि रोजगार देने वाला बनाने पर जोर दिया जा रहा है। प्रदेश में खेल और युवा कल्याण के लिए भी प्रयास किए जा रहे हैं। कार्यक्रम में पद्मश्री डॉ. विकास महात्मे और विधानसभा सचिव अरविंद शर्मा का सम्मान किया गया। आयोजक विश्वजीत चोपड़े, देवयानी चोपड़े, वैशाली खोबड़े सहित बड़ी संख्या में युवा सदस्य उपस्थित रहे।

बारिश के बाद बने हालातों पर भाजपा विधायक का तंज

अपन सरकार के भरोसे रहते हैं, ये अपनी बड़ी गलती, शासन के जवाबदार ही है गैर-जिम्मेदार

गुना, दोपहर मेट्रो

शहर में हाल में हुई तेज बारिश के बाद बने हालातों पर क्षेत्रीय विधायक पन्नालाल शाक्य ने तंज कसा है। उन्होंने कहा कि अपन सब सरकार के भरोसे रहते हैं, ये अपनी बहुत बड़ी चूक और गलती है। वहीं सरकार को लेकर उन्होंने कहा कि शासन के जो जवाबदार हैं, वो गैर जवाबदार हैं। दरअसल, मंगलवार को जिले में सीजन की सबसे तेज बारिश हुई थी। करीब तीन घंटे की वर्षा से शहर के कई हिस्से जलमग्न हो गए थे। कई घरों में पानी भर गया था, तो गोविंद गार्डन में एक महिला को रेस्क्यू कर घर से बाहर निकाला गया था। नानाखेड़ी क्षेत्र में सड़क पर कई फीट पानी भरने से आवागमन बाधित हुआ था। इस पर गुना विधायक शाक्य ने कहा कि हमने तो दो महीने पहले ही नपाध्यक्ष और कलेक्टर को पत्र लिखकर आगाह कर दिया था। इसमें कहा था कि आगामी बारिश से पहले काम जल्दी करा दो। ये नालियां साफ हो जाएं, ताकि जनमानस परेशान न हो।

कई कॉलोनियों में घुटने तक पानी पहुंच गया, घरों में भी भर गया- उन्होंने कहा कि इस बारिश में भी कई कॉलोनियों में घुटने तक पानी पहुंच गया, घरों में भी भर गया। लोगों को दूसरी मंजिल पर सामान रखना पड़ा। अपन सब सरकार के भरोसे रहते हैं, ये अपनी बहुत बड़ी चूक है, अपनी गलती है। सही मायने में तो समाज को जागृत करना चाहिए और समाज को इस काम के लिए प्रेरित करना चाहिए।मैं जो जवाबदार हैं, उनके विषय में कुछ नहीं कह रहा। केवल समाज की बात कर रहा हूं।

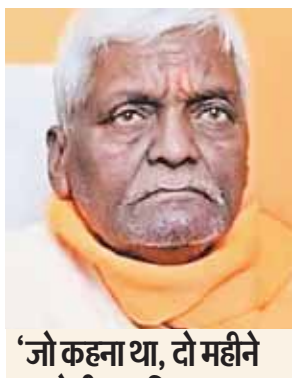

'जो कहना था, दो महीने पहले ही कह दिया था'

विधायक शाक्य ने कहा कि समाज से ही तो सरकार बनती है। समाज अपने हित के लिए सरकार का निर्माण करता है, तो अब समाज जाग जाए। आने वाले समय में इससे भी ज्यादा घटनाएं, दुर्घटनाएं होंगी। अगर हम सरकार के भरोसे बैठे रहे, तो जन, धन की हानि होती जाएगी। बाकी कुछ नहीं कहना, जो कहना था वो दो महीने पहले ही कह दिया था।

आज कई ऐसे बिंदु पड़े हैं, जिन पर समाज मौन है

विधायक शाक्य ने कहा कि शासन के जो जवाबदार लोग हैं, वो गैर जवाबदार हैं। इसलिए समाज को ही करना पड़ेगा। गलत चीजों के लिए समाज को जागना पड़ेगा। आज कई ऐसे बिंदु पड़े हैं, जिन पर समाज मौन है। वैसे ही मौन है, जैसे महाभारत की भरी सभा में बड़े बुद्धिमान, बुद्धिजीवी मौन रहे। उसका परिणाम खराब निकला था।

भाजपा में टीम नवीन की सुगबुगाहट तेज

प्रदेश के चार चेहरों पर नजर, पीएम मोदी से वीडी की मुलाकात ने बढ़ाई हलचल

भोपाल, दोपहर मेट्रो

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन की नई टीम को लेकर दिल्ली से लेकर भोपाल तक सियासी हलचल तेज हो गई है। राष्ट्रीय संगठन में मध्यप्रदेश से किन चेहरों को जगह मिलेगी, इसे लेकर पार्टी के भीतर चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है। खास बात यह है कि पूर्व प्रदेश भाजपा अध्यक्ष और सांसद विष्णुदत्त शर्मा (वीडी शर्मा) की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से हालिया मुलाकात के बाद उनके नाम को लेकर अटकलों ने और जोर पकड़ लिया है। हालांकि, पार्टी की ओर से अभी किसी नाम को लेकर आधिकारिक संकेत नहीं दिए गए हैं।

संतुलन पर नजर

मध्यप्रदेश से राष्ट्रीय संगठन में संभावित जिम्मेदारी के लिए फिलहाल चार नाम चर्चा में बताए जा रहे हैं। इनमें वीडी शर्मा के अलावा राज्यसभा सांसद कविता पाटीदार, सांसद गजेंद्र पटेल और वरिष्ठ नेता लालसिंह आर्य शामिल हैं। इन चेहरों के जरिए भाजपा सामाजिक और क्षेत्रीय संतुलन साधने की कोशिश कर सकती है। ब्राह्मण, ओबीसी, आदिवासी और दलित प्रतिनिधित्व के लिहाज से इन नामों की अलग-अलग राजनीतिक उपयोगिता मानी जा रही है। वीडी शर्मा का नाम सबसे ज्यादा चर्चा में है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष के रूप में लंबे समय तक संगठन की कमान संभाल चुके शर्मा को बूथ प्रबंधन, चुनावी रणनीति और संगठन विस्तार का अनुभव है। ऐसे में यदि केंद्रीय नेतृत्व राष्ट्रीय टीम में संगठनात्मक अनुभव वाले नेताओं को प्राथमिकता देता है, तो उनकी दावेदारी मजबूत मानी जा सकती है।

कविता से समीकरण साधने की कोशिश

राज्यसभा सांसद कविता पाटीदार का नाम भी संभावित चेहरों में सामने आ रहा है। प्रदेश संगठन में महामंत्री की जिम्मेदारी निभा चुकी पाटीदार को संगठन और संसदीय राजनीति दोनों का अनुभव है। उनके नाम के साथ महिला और ओबीसी, दोनों समीकरण जुड़ते हैं। अगर भाजपा राष्ट्रीय टीम में महिला प्रतिनिधित्व के साथ ओबीसी वर्ग को भी मजबूत करने की रणनीति अपनाती है, तो पाटीदार एक उपयोगी विकल्प साबित हो सकती हैं। सांसद गजेंद्र पटेल का नाम आदिवासी प्रतिनिधित्व के लिहाज से अहम माना जा रहा है। मध्यप्रदेश के आदिवासी क्षेत्रों में उनकी राजनीतिक सक्रियता और संगठनात्मक अनुभव को देखते हुए राष्ट्रीय टीम में उन्हें जगह मिलने की संभावना पर चर्चा है। भाजपा के लिए आदिवासी राजनीति का दायरा मध्यप्रदेश से आगे भी फैला हुआ है। ऐसे में राष्ट्रीय संगठन में आदिवासी चेहरे को प्रमुखता देना पार्टी की व्यापक सामाजिक रणनीति का हिस्सा बन सकता है। ग्वालियर-चंबल क्षेत्र के वरिष्ठ नेता लालसिंह आर्य भी इस दौड़ में चर्चा में हैं। अनुसूचित जाति मोर्चे की जिम्मेदारी संभाल चुके आर्य का संगठन में लंबा अनुभव है। राष्ट्रीय टीम में उन्हें भूमिका मिलती है तो भाजपा की ओर से दलित प्रतिनिधित्व को मजबूत करने का स्पष्ट राजनीतिक संदेश जा सकता है।

दतिया का नतीजा भी बनेगा कसौटी

मध्यप्रदेश में हालिया दतिया विधानसभा उपचुनाव में भाजपा की हार के बाद संगठनात्मक प्रदर्शन और चुनावी प्रबंधन भी चर्चा के केंद्र में है। ऐसे में केंद्रीय नेतृत्व राष्ट्रीय टीम के लिए नाम तय करते समय केवल जातीय समीकरण नहीं, बल्कि संगठन पर पकड़, चुनावी प्रबंधन, अनुभव और जनता के बीच स्वीकार्यता जैसे पहलुओं को भी तौल सकता है। यानी दिल्ली में राष्ट्रीय टीम की तस्वीर बनने से पहले भोपाल में सियासी 'सुगबुगाहट' तेज हो गई है। अब नजर इस बात पर है कि चारों में से किस चेहरे को राष्ट्रीय संगठन में नई जिम्मेदारी मिलती है और कौन सा नाम फिलहाल सिर्फ चर्चाओं तक सीमित रह जाता है।

मप्र बोर्ड 2027: 10वीं-12वीं की परीक्षा तारीखें तय

17 फरवरी और 19 मार्च से शुरू होगा इम्तिहान

भोपाल, दोपहर मेट्रो

माध्यमिक शिक्षा मंडल ने वर्ष 2027 की हाईस्कूल और हायर सेकेंडरी मुख्य परीक्षाओं का कार्यक्रम जारी कर दिया है। इसके साथ ही 10वीं और 12वीं की द्वितीय परीक्षा की तारीखें भी घोषित कर दी गई हैं। जारी कार्यक्रम के मुताबिक 12वीं की मुख्य परीक्षा 17 फरवरी से 19 मार्च 2027 तक और 10वीं की परीक्षा 24 फरवरी से 18 मार्च 2027 तक आयोजित होगी। दोनों परीक्षाएं सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक चलेंगी।

हायर सेकेंडरी परीक्षा की शुरुआत 17 फरवरी को बायोटेक्नोलॉजी, गायन-वादन और तबला-पखावज विषयों से होगी। इसके बाद 18 फरवरी को उर्दू व मराठी, 20 फरवरी को संस्कृत और 22 फरवरी को एनएसक्यूएफ, शारीरिक शिक्षा तथा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की परीक्षा होगी। मुख्य विषयों में 23 फरवरी को हिंदी, 26 फरवरी को अंग्रेजी, 1 मार्च को इंफॉर्मेटिक्स प्रैक्टिसेस, 3 मार्च को समाजशास्त्र, 4 मार्च को भौतिक शास्त्र/अर्थशास्त्र, 8 मार्च को जीव विज्ञान, 11 मार्च को राजनीति शास्त्र, 13 मार्च को रसायन शास्त्र/ इतिहास/ व्यवसाय अध्ययन और 16 मार्च को गणित की परीक्षा होगी।

10वीं की परीक्षा 24 फरवरी से| हाईस्कूल परीक्षा की शुरुआत 24 फरवरी को भाषा विषयों, चित्रकला, गायन-वादन, तबला-पखावज और कंप्यूटर विषयों से होगी। 25 फरवरी को एनएसक्यूएफ के सभी विषयों और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की परीक्षा होगी। इसके बाद 27 फरवरी को उर्दू, 2 मार्च को हिंदी, 5 मार्च को गणित, 9 मार्च को अंग्रेजी, 12 मार्च को संस्कृत, 15 मार्च को विज्ञान और 18 मार्च को सामाजिक विज्ञान का पेपर होगा।

द्वितीय परीक्षा भी जून में

माशिम ने मुख्य परीक्षा में शामिल विद्यार्थियों के लिए द्वितीय परीक्षा का कार्यक्रम भी जारी किया है। 12वीं की द्वितीय परीक्षा 11 से 30 जून 2027 तक होगी। इसमें 11 जून को इंफॉर्मेटिक्स प्रैक्टिसेस, 15 जून को समाजशास्त्र, 16 जून को रसायन शास्त्र, इतिहास और व्यवसाय अध्ययन सहित अन्य विषय तथा 19 जून को अंग्रेजी की परीक्षा होगी। वहीं 10वीं की द्वितीय परीक्षा 15 से 30 जून 2027 तक चलेगी। इसमें अंग्रेजी, गणित, उर्दू, भाषा, एनएसक्यूएफ, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, संस्कृत, विज्ञान, हिंदी और सामाजिक विज्ञान की परीक्षाएं निर्धारित तिथियों पर होंगी।

शिल्प कला को सम्मान हुनर को मिला हौसला

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने राज्य स्तरीय विश्वकर्मा पुरस्कार के तहत उत्कृष्ट शिल्प के लिए चयनित शिल्पियों को सम्मानित किया है। विगत दिनों शिल्पियों को सम्मानित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ये सम्मान उन शिल्पकारों के हुनर को प्रोत्साहित करने का माध्यम हैं, जो अपनी कला के जरिए मध्यप्रदेश की सांस्कृतिक विरासत को जीवंत बनाए हुए हैं। उन्होंने कहा कि पारंपरिक शिल्प केवल उत्पाद नहीं हैं, बल्कि पीढ़ियों से हस्तांतरित ज्ञान, कौशल और सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक हैं। ऐसे में शिल्पियों को सम्मान और प्रोत्साहन देना उनकी कला को संरक्षित करने के साथ नई पीढ़ी को इससे जोड़ने का भी माध्यम है।

अमृत परियोजनाओं में लापरवाही पर नगरीय प्रशासन सख्त

5 संविदाकारों को ब्लैकलिस्ट करने का निर्णय बैठक में समीक्षा के बाद संकेत भोंडवे का एक्शन

भोपाल, दोपहर मेट्रो

अमृत मिशन के तहत चल रही परियोजनाओं में अपेक्षित प्रगति नहीं होने पर नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने सख्त रुख अपनाया है। अल्प प्रगति वाली चयनित परियोजनाओं की समीक्षा के बाद विभाग ने पांच संविदाकारों को ब्लैकलिस्ट करने का निर्णय लिया है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि जनहित से जुड़ी परियोजनाओं में लापरवाही और अनावश्यक देरी किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। आयुक्त, नगरीय प्रशासन एवं विकास संकेत भोंडवे की अध्यक्षता में संचालनालय के सभाकक्ष में संबंधित नगरीय निकायों और संविदाकारों की बैठक हुई। इसमें

संविदाकारों को जारी सूचना पत्र, उनके प्रतिवेदन और संबंधित नगरीय निकायों के अभिमत पर परियोजनावार विस्तार से चर्चा की गई। समीक्षा के बाद जिन परियोजनाओं में प्रगति संतोषजनक नहीं पाई गई, उनमें संबंधित फर्मों के खिलाफ कार्रवाई का निर्णय लिया गया।

इन पांच फर्मों पर कार्रवाई

संविदाकार मेसर्स जयवरूदी इंफाकॉन प्रा. लि. और पैकेज-3 के संविदाकार मेसर्स एल.सी. इंफा प्रोजेक्ट्स प्रा. लि. को ब्लैकलिस्ट किया जाएगा। इसके अलावा देवास नगर निगम की अमृत 2.0 सीवरेज परियोजना के संविदाकार मेसर्स दिनेशचंद्र आर. अग्रवाल इंफाकॉन प्रा. लि., सतना नगर निगम की अमृत 1.0 सीवरेज परियोजना पैकेज-2 के संविदाकार मेसर्स इनविराड प्रोजेक्ट्स प्रा. लि. तथा पीथमपुर नगर पालिका की अमृत 2.0 सीवरेज परियोजना के संविदाकार मेसर्स आर. एण्ड बी. इंफा प्रोजेक्ट लि. पर भी कार्रवाई होगी।

दूरदराज इलाकों में रोशन हुए 34 हजार घर, पहाड़ों तक पहुंची बिजली

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश सरकार ने प्रदेश के दूरस्थ और जनजातीय इलाकों में रहने वाले परिवारों तक बिजली पहुंचाने की दिशा में बड़ी उपलब्धि हासिल की है। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया कि अब तक 34 हजार 163 दूरस्थ घरों, मजरों और टोलों को स्थायी बिजली कनेक्शन से जोड़ा जा चुका है। इनमें ऐसे इलाके भी शामिल हैं, जहां बिजली की सुविधा पहुंचाना भौगोलिक परिस्थितियों के कारण चुनौतीपूर्ण था। ऊर्जा मंत्री के अनुसार पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के अंतर्गत 19,630 घरों, पूर्व क्षेत्र में 980 और मध्य क्षेत्र में 4,732 घरों को बिजली से जोड़ा गया है। यह अभियान विशेष रूप से दूरस्थ जनजातीय बस्तियों को स्थायी विद्युत व्यवस्था उपलब्ध कराने के उद्देश्य से चलाया जा रहा है।

मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध निदेशक अनूप कुमार सिंह ने बताया कि धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत मालवा-निमाड़ के अत्यंत दूरस्थ क्षेत्रों में बसे परिवारों को बिजली से जोड़ने के लिए विशेष अभियान चलाया गया। इंदौर जिले के महू बिजली संभाग के अंतर्गत नदी के आसपास और पहाड़ी क्षेत्रों में स्थित 85 घरों, मजरों और टोलों तक बिजली पहुंचाई गई है। धार में 1,785, झाबुआ में 2,159, आलीराजपुर में 2,215, खंडवा में 1,501, खरगोन में 3,529 और बुरहानपुर में 705 घरों को बिजली सुविधा मिल चुकी है।

मेट्रो एंकर | वर्ष 2029-30 तक के कृषि और ग्रीन बजट की तैयारी शुरू

डिजिटल सिग्नेचर अनिवार्य, अप्रासंगिक योजनाएं होंगी समाप्त

वित्तीय वर्ष 2027-28 के बजट के साथ तीन वर्षों के रोलिंग बजट का रोडमैप तैयार

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश में बजट निर्माण को अधिक परिणामोन्मुख, पारदर्शी और डिजिटल बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई है। वित्तीय वर्ष 2027-28 के बजट के साथ वर्ष 2028-29 और 2029-30 के लिए रोलिंग बजट, जेंडर बजट एवं कृषि बजट की तैयारी की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। साथ ही ग्रीन बजट के निर्माण में सतत विकास लक्ष्यों बहुआयामी गरीबी उन्मूलन संकेतकों को आधार बनाया जाएगा। बजट से संबंधित प्रक्रियाओं को और अधिक सुरक्षित एवं पारदर्शी बनाने के लिए डिजिटल सिग्नेचर को अनिवार्य किया गया है। इस संबंध में वित्तीय अधिकारियों एवं संबंधित अधिकारियों के लिए गुरुवार को प्रशासन अकादमी में कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला की थीम एक पहल–आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के विकास की ओर रखी गई। कार्यशाला में वर्ष 2027-28 के बजट के साथ आगामी दो वित्तीय वर्षों के रोलिंग बजट की तैयारी, कृषि एवं जेंडर बजट तथा ग्रीन बजट के निर्माण की प्रक्रिया पर विस्तार से चर्चा की गई।

कार्यशाला में सचिव वित्तलोकेश कुमार जाटव, आयुक्त कोष एवं लेखा श्री अमनवीर सिंह बैंस, संचालक वित्त हर्षिका सिंह, संचालक कोष एवं लेखा श्री राजीव सक्सेना, उप सचिव वित्त श्री आशीष नंदनवार एवं अपर संचालक कोष एवं लेखा श्री संतोष चोखंदे ने बजट निर्माण की प्रक्रिया, दिशा-निर्देशों और डिजिटल प्रणाली के उपयोग की जानकारी दी। कार्यशाला में संचालक वित्त हर्षिका सिंह ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2027-28 का बजट भारत सरकार के बजट की भावना के अनुरूप तैयार किया जाएगा। कार्यशाला में बताया गया कि बजट निर्माण में विभागीय योजनाओं की उपयोगिता और परिणामों का आकलन करते हुए संसाधनों का अधिक प्रभावी उपयोग सुनिश्चित किया जाए।

सावधानी बरतने अधिकारियों को विस्तार से दी गई जानकारी

उप सचिव वित्त आशीष नंदनवार ने जानकारी देते हुए बताया कि बजट प्रक्रिया को अधिक सरल और प्रभावी बनाने के लिए विस्तृत शीर्षों एवं पूर्व प्रचलित शीर्षों का संविलियन कर MIS पर क्रियान्वित किए जा सकने वाले पांच अंकों के नवीन शीर्ष निर्मित किए गए हैं। बजट प्रविष्टि में अब निर्धारित नवीन शीर्षों का ही उपयोग किया जाएगा। इस दौरान बजट एंट्री मैनेजमेंट सिस्टम के उपयोग की प्रक्रिया और इससे जुड़ी सावधानियों के बारे में भी अधिकारियों को विस्तार से जानकारी दी गई। ग्रीन बजट तैयार करते समय सतत विकास लक्ष्यों को ध्यान में रखा जाएगा। कार्यशाला में बताया गया कि ग्रीन बजट निर्माण की प्रक्रिया को प्राप्त दिशा-निर्देशों एवं संबंधित विभागीय गतिविधियों से जोड़ा जाना चाहिए।

नई दौड़ में भारत

अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) को अपने मून बेस कार्यक्रम में शामिल होने का निमंत्रण दिया है। पहली नजर में यह भारत-अमेरिका अंतरिक्ष सहयोग की एक और उपलब्धि दिखाई दे सकती है, लेकिन इसके भीतर छिपा संकेत कहीं बड़ा है। चंद्रमा पर पहुंचने के बाद अब दुनिया वहां टिकने की तैयारी कर रही है और इस नई दौड़ में भारत को दर्शक नहीं, संभावित साझेदार के रूप में देखा जा रहा है। सवाल यह है कि क्या भारत इस अवसर को अपनी अंतरिक्ष यात्रा के अगले निर्णायक पड़ाव में बदल पाएगा? नासा का मून बेस कार्यक्रम चंद्रमा पर कुछ समय के लिए अंतरिक्ष यात्रियों को भेजने तक सीमित नहीं है। इसका उद्देश्य दक्षिणी ध्रुव के निकट चरणबद्ध ढंग से ऐसी स्थायी अवसंरचना विकसित करना है, जहां वैज्ञानिक अनुसंधान और मानव गतिविधियां लंबे समय तक जारी रह सकें। इस क्षेत्र में स्थायी छाया वाले हिस्सों में जल-बर्फ मौजूद होने की संभावना इसे बेहद महत्वपूर्ण बनाती है। भविष्य में यही पानी पीने, ऑक्सीजन और रॉकेट ईंधन के निर्माण का आधार बन सकता है। इस पूरी कहानी में भारत की भूमिका इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि चंद्रमा का यही दक्षिणी ध्रुव भारत की ऐतिहासिक उपलब्धि का क्षेत्र रहा है। 2023 में चंद्रयान-3 ने यहां सफल सॉफ्ट लैंडिंग कर दुनिया को भारत की तकनीकी क्षमता का प्रमाण दिया था। कठिन भूभाग में उतरने की यह क्षमता अब केवल भारतीय उपलब्धि नहीं रही; नासा भी इसे अपने भविष्य के चंद्र कार्यक्रम के लिए उपयोगी मान रहा है। भारत-अमेरिका अंतरिक्ष सहयोग पिछले कुछ वर्षों में तेजी से आगे बढ़ा है। भारत का आर्टेमिस समझौते से जुड़ना, मानव अंतरिक्ष उड़ान में सहयोग के लिए रणनीतिक ढांचे पर सहमति और 2025 में भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला की अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन यात्रा इसी बढ़ते रिश्ते की कड़ियां हैं। भारत ने 2035 तक भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन और 2040 तक किसी भारतीय को चंद्रमा पर उतारने का लक्ष्य रखा है। ऐसे में नासा का निमंत्रण भारत के लिए तकनीक, अनुभव और वैश्विक सहयोग का बड़ा अवसर है। चंद्रयान-3 ने भारत को चांद पर उतारा था। अब नासा का निमंत्रण उससे भी बड़ा सवाल सामने रख रहा है-क्या भारत चांद पर बनने वाले भविष्य का निर्माण करने वालों में शामिल होगा, या सिर्फ उस भविष्य का दर्शक बना रहेगा?

सुप्रीम नसीहत... नशे के जाल को तोड़ने के लिए मिलकर काम करें एजेंसियां

कांतिलाल मांडोत
स्तंभकार

देश में नशीले पदार्थों का बढ़ता कारोबार अब केवल कानून-व्यवस्था की समस्या नहीं रह गया है, बल्कि यह युवाओं के भविष्य, सार्वजनिक स्वास्थ्य और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर चुनौती बन चुका है। सुप्रीम कोर्ट ने भी ड्रग्स की समस्या को बेहद गंभीर बताते हुए केंद्र और संबंधित पक्षों से उस याचिका पर जवाब मांगा, जिसमें मादक पदार्थों की तस्करी रोकने के लिए जांच और ट्रायल में तेजी, तस्करों की संपत्ति जब्त करने तथा मामलों की जांच के लिए समान प्रोटोकॉल जैसी व्यवस्थाओं की मांग की गई है। चीफ जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल एम. पंचोली की पीठ ने इस बात पर जोर दिया कि समस्या जिस तेजी से फैल रही है, उससे निपटने के लिए विशेषज्ञ एजेंसियों को मिलकर काम करना होगा।

सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता अश्विनी कुमार उपाध्याय की ओर से सिंगापुर का उदाहरण दिया गया, जिस पर पीठ ने भारत की भौगोलिक और अंतरराष्ट्रीय सीमाओं की अलग परिस्थितियों की ओर ध्यान दिलाया। भारत की सीमाएं ऐसे क्षेत्रों से जुड़ी हैं जहां अंतरराष्ट्रीय मादक पदार्थ तस्करी के नेटवर्क सक्रिय रहे हैं। पंजाब, जम्मू-कश्मीर, पूर्वोत्तर और समुद्री मार्गों के साथ-साथ देश के बड़े बंदरगाह और महानगर भी तस्करी के नेटवर्क की निगरानी के लिहाज से महत्वपूर्ण हैं। यही वजह है कि अब केवल पुलिस कार्रवाई पर्याप्त नहीं मानी जा रही है। खुफिया जानकारी, सीमा सुरक्षा, समुद्री निगरानी, वित्तीय जांच, साइबर निगरानी और अभियोजन एजेंसियों के बीच तालमेल जरूरी हो गया है।

सरकारी आंकड़े बताते हैं कि देश में ड्रग्स की जब्ती का पैमाना कितना बड़ा है। गृह मंत्रालय के अनुसार विभिन्न ड्रग कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने 2021 में 16,09,612 किलोग्राम, 2022 में 12,53,662 किलोग्राम, 2023 में 13,89,725 किलोग्राम और 2024 में 13,30,600 किलोग्राम मादक पदार्थ जब्त किए। 2025 में नवंबर तक ही 11,85,994 किलोग्राम ड्रग्स की जब्ती दर्ज हो चुकी थी। इन जब्तियों का घोषित मूल्य 2021 में करीब 25,241 करोड़ रुपये, 2022 में 19,922 करोड़, 2023 में 17,179 करोड़, 2024 में 27,525 करोड़ और 2025 में नवंबर तक 16,927 करोड़ रुपये था।

इन आंकड़ों से एक महत्वपूर्ण बात सामने आती है। भारत में हर साल बड़ी मात्रा में मादक पदार्थ पकड़े जा रहे हैं, लेकिन इसका अर्थ यह नहीं लगाया जा सकता कि जितना पकड़ा गया, उतनी ही मात्रा देश में घुस रही थी। तस्करी की कुल मात्रा का कोई विश्वसनीय सरकारी अनुमान उपलब्ध नहीं है। इसलिए यह कहना कि देश में हर वर्ष इतने लाख या इतने करोड़ किलो ड्रग्स पहुंचती है, उपलब्ध आधिकारिक आंकड़ों से साबित नहीं किया जा सकता। जब्ती केवल उस अवैध कारोबार का हिस्सा दिखाती है जिसे कानून प्रवर्तन एजेंसियां पकड़ पाती हैं।

साल 2026 में भी कार्रवाई का सिलसिला तेज रहा है। मई में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने मुंबई क्षेत्र में एक अंतरराष्ट्रीय कोकीन नेटवर्क के खिलाफ कार्रवाई करते हुए करीब 349 किलोग्राम हाई-ग्रेड कोकीन जब्त की, जिसकी अवैध बाजार में अनुमानित कीमत करीब 1,745 करोड़ रुपये बताई गई। मई में ही 'ऑपरेशन रेजपिल' के तहत भारत में पहली बार कैप्टागन की बड़ी बरामदगी हुई। एनसीबी के अनुसार कुल 227.7 किलोग्राम कैप्टागन टैबलेट और पाउडर जब्त किया गया, जिसकी कीमत करीब 182 करोड़ रुपये आंकी गई। इस मामले में मुंद्रा, गुजरात से 196.2 किलोग्राम कैप्टागन पाउडर की बरामदगी भी हुई।

गुजरात इस पूरे संकट में खास तौर पर महत्वपूर्ण है, क्योंकि राज्य की लंबी समुद्री सीमा और बड़े बंदरगाह अंतरराष्ट्रीय तस्करी के खिलाफ सुरक्षा एजेंसियों के लिए बड़ी चुनौती भी हैं और कार्रवाई का महत्वपूर्ण केंद्र भी। मई 2026 में भारतीय तटरक्षक बल और गुजरात एटीएस ने मुंद्रा तट के पास संयुक्त अभियान में करीब 115 किलोग्राम कोकीन जब्त की। सरकारी अनुमान के अनुसार इसकी अंतरराष्ट्रीय अवैध बाजार कीमत करीब 1,150 करोड़ रुपये थी। एजेंसियों ने समुद्र से पांच बैग बरामद किए, जिनमें कोकीन पाई गई।

गुजरात में केवल समुद्री रास्ते ही चिंता का विषय नहीं हैं। जुलाई 2026 में राजस्व खुफिया निदेशालय ने अंकलेश्वर में एक कथित अवैध मेफेड्रोन निर्माण इकाई का भंडाफोड़ किया। वहां 1.349 किलोग्राम मेफेड्रोन के अलावा बड़ी मात्रा में नियंत्रित रसायन और निर्माण में इस्तेमाल होने वाले पदार्थ बरामद किए गए तथा तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया। इससे स्पष्ट है कि चुनौती केवल सीमा पार से नशीले पदार्थों की तस्करी तक सीमित नहीं है; देश के भीतर अवैध निर्माण और वितरण के नेटवर्क को भी तोड़ना जरूरी है।

भारत में हर वर्ष पकड़ी जा रही ड्रग्स की मात्रा हजारों नहीं, लाखों किलोग्राम में है। लेकिन इससे भी बड़ा सवाल यह है कि तस्करी का वह हिस्सा कितना है जो एजेंसियों की पकड़ से बाहर रह जाता है। इसका कोई विश्वसनीय राष्ट्रीय आंकड़ा उपलब्ध नहीं है। इसलिए असली सफलता केवल जब्ती के बढ़ते आंकड़ों में नहीं, बल्कि इस बात में होगी कि नए नेटवर्क बनना बंद हों, तस्करों की आर्थिक कमर टूटे, मामलों का तेजी से ट्रायल हो और युवाओं तक नशीले पदार्थों की पहुंच लगातार घटे। सुप्रीम कोर्ट का संदेश इसी व्यापक चुनौती की ओर है। ड्रग्स के खिलाफ लड़ाई किसी एक एजेंसी की लड़ाई नहीं है। यह कानून, प्रशासन, स्वास्थ्य व्यवस्था, परिवार और समाज–सभी की साझा जिम्मेदारी है। यदि जांच से लेकर अदालत तक पूरी व्यवस्था एक साथ काम करती है तो तस्करी के नेटवर्क को कमजोर किया जा सकता है। देश में पकड़ी जा रही करोड़ों-करोड़ रुपये की ड्रग्स इस खतरे की गंभीरता का प्रमाण हैं। अब जरूरत केवल खेप पकड़ने की नहीं, बल्कि उस पूरे तंत्र को खत्म करने की है जो नशे को देश के युवाओं तक पहुंचाता है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

सत्ता में पिछड़े वर्ग की हिस्सेदारी और भूमि सुधार चाहते थे बाबा साहब

मुस्ताअली बोहरा
स्तंभकार

डॉ. अंबेडकर के राष्ट्र प्रेम का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि वो भारत को विभाजित नहीं देखना चाहते थे। भारत को दो हिस्सों में बांटने की अंग्रेजों की साजिश से वे नाराज थे। इतना ही नहीं महात्मा गांधी, जवाहर लाल नेहरू और मोहम्मद अली जिन्ना की भी आलोचना की थी। पाकिस्तान के विभाजन को लेकर 'थॉट्स ऑन पाकिस्तान' के नाम से किताब भी लिखी थी। बाबा साहब का नजरिया दूरंदेशी था। वे समग्र विकास को तरजीह देते थे। उन्होंने ही औद्योगीकरण और कृषि निवेश की वकालत की। अल्प आय वर्ग के लिए आयकर का विरोध किया और भूमि सुधारों का समर्थन किया। उन्होंने महिलाओं के आर्थिक अधिकारों की की भी वकालत की।

आजादी की बात हो और दलित आंदोलनों की बात हो लेकिन बाबा साहब की बात ना हो ऐसा हो ही नहीं सकता। असल में आजादी को लेकर बाबा साहब का नज़रिया थोड़ा अलग था। बाबा साहब का असल मकसद था सत्ता में पिछड़े वर्ग की हिस्सेदारी। डॉ आंबेडकर का मानना था कि अगर किसी शख्स को समाज में सिर उठाकर चलने की आजादी नहीं तो उसके लिए देश की आजादी के कोई मायने नहीं। वह सत्ता में पिछड़े तबके की हिस्सेदारी चाहते थे। दलितों की दुर्दशा, शोषण और उत्पीड़न के लिए बाबा साहब हिंदू धर्म की ऊंच-नीच वाली व्यवस्था को जिम्मेदार मानते थे। उनका कहना था कि हिंदू धर्म मनुस्मृति के हिसाब से चलता है, जिसमें ऊंच-नीच कूट-कूटकर भरा है। द फिलॉसफी ऑफ हिन्दुइज्म में डॉ आंबेडकर ने लिखा है, मनु ने चार वर्णों की वकालत की। फिर चारों वर्णों को अलग-अलग रखने के लिए जाति व्यवस्था बनी। बाबा साहब भी अपनी कौम के लिए उसी तरह की सोच रखते थे जैसे कि उस वक्त की कांग्रेस। सन 1880 से 1900 के दौर में कांग्रेस और उस जैसे अन्य संगठन अपने समुदाय के लिए अधिकारों की मांग करते थे। जैसे कि सती प्रथा और बाल विवाह का अंत करवाना। इसके बाद मराठा रेजिमेंट, जाट रेजिमेंट और महार रेजिमेंट बनाने की मांगें भी उठने लगी। इन मांगों और ब्रितानिया हुकूमत की दिगर नीतियों के खिलाफ लोग संगठित होकर आंदोलन करने लगे। बाद में ये मांगें सामूहिक आंदोलन के रूप में तब्दील हो गईं जो सन 1929 में पूर्ण स्वराज और फिर वर्ष 1942 में भारत छोड़ो आंदोलन तक जा पहुंचीं। बाबा साहब लगातार इस दलितों को उनके हक दिलाने के लिए कोशिशें करते रहें। तब वो वक्त था जब दलितों को ना तो पढ़ने-लिखने का हक था, ना जमीन-जायदाद खरीदने या हिस्सेदारी करने का। दलितों का शोषण और जातीय तिरस्कारों को लेकर बाबा साहब लगातार अपनी किताबों, लेखों में लिखते रहे। बाबा साहब का मानना था कि जब तक जातिगत व्यवस्था खत्म नहीं होती तब तक दलितों को वो सम्मान नहीं मिल पाएगा जिसके वो हकदार हैं। बाबा साहब मानते थे कि दलितों की सत्ता में हिस्सेदारी होनी चाहिए इससे ही उनके खिलाफ अत्याचार और शोषण को रोका जा सकता है। यही वजह है कि बाबा साहब दलितों के हक के लिए उनकी मांगों को लेकर लगातार आवाज उठाते रहे। जो लोग बाबा साहब के आलोचक थे उनका तर्क था कि आजादी मिलने के बाद दलितों के साथ जातीय भेदभाव खत्म हो जाएगा, उन्हें उनके अधिकार भी मिलने लगेंगे। जबकि, बाबा साहब का कहना था कि जातीय भेदभाव या छुआछूत ब्रितानियों की देन नहीं है जो उनके जाने के बाद या आजादी मिलने के बाद खत्म हो जाएगी। इसी वजह से डॉ आंबेडकर ने शोषितों और वंचितों को अधिकार दिलाने की मुहिम जारी रखी। इसी मुहिम का नतीजा रहा कि साइमन कमीशन वंचित तबके को प्रतिनिधित्व देने को राजी हुआ। दूसरी तरफ कांग्रेस ने साइमन कमीशन के खिलाफ आंदोलन चला रखा था। अंग्रेज हुकूमत ने अगस्त 1932 में दलितों को पृथक निर्वाचन का अधिकार दिया। इसमें दलितों को दो वोट देने का अधिकार था। एक वोट से वे अपने समुदाय का प्रतिनिधि चुन सकते थे और दूसरे से किसी सामान्य वर्ग का। महात्मा गांधी ने पृथक निर्वाचन का विरोध किया। उनका मानना था कि इससे दलितों और सवर्णों के बीच की दूरियां और ज्यादा बढ़ जाएगी। उन्होंने इसके खिलाफ आमरण अनशन शुरू कर दिया। महात्मा गांधी की तबीयत बिगड़ने के साथ डॉ आंबेडकर के पुतले जलाए जाने लगे। आखिरकार डॉ आंबेडकर को झुकना पड़ा और 24 सितंबर 1932 को महात्मा गांधी और बाबा साहब आंबेडकर के बीच पूना पैक्ट हुआ। इससे दलितों के पृथक निर्वाचन और दो वोट का अधिकार खत्म हो गया। हालांकि दलितों के लिए आरक्षित सीटों की संख्या राज्यों के विधानमंडलों में 71 से बढ़ाकर 147 और केंद्रीय विधानमंडल में कुल सीटों का 18 फीसदी कर दी गई।

डॉ आम्बेडकर ने भारत की आजादी की लड़ाई में सक्रिय रूप से हिस्सा लिया था। वो भारत के बटवारे के पक्ष में भी नहीं थे। पाकिस्तान की मांग कर रहे मुस्लिम लीग के लाहौर रेजोल्यूशन (1940) के बाद, बाबा साहब ने थॉट्स ऑन पाकिस्तान नामक चार सौ पेजों की एक किताब लिखी। इस किताब में डॉ आंबेडकर ने पाकिस्तान की अवधारणा का विश्लेषण करते हुए सभी पहलुओं का जिक्र किया। साल 1940 को पाकिस्तान और द पर्टिशन ऑफ इण्डिया-थॉट्स ऑन पाकिस्तान के नाम से बाबा साहब की लिखी पुस्तक प्रकाशित हुई थी। तब तक पाकिस्तान का मामला गर्माया तो हुआ ही था। इस किताब के प्रकाशित होने के वक्त दूसरा विश्व युद्ध प्रारंभ हो चुका था। इस पुस्तक में बाबा साहब ने इस्लाम और पाकिस्तान के बारे में पूरी निडरता के साथ अपनी बात रखी थी। इस किताब में मुस्लिम केस फॉर पाकिस्तान इस शीर्षक के अंतर्गत तीन अध्याय हैं। उनमे मुस्लिम लीग की मांग, राष्ट्र को घर चाहिए और दुर्दशा से पलायन जैसे विषयों पर विस्तार से विवेचन किया है। पुस्तक के अगले तीन अध्याय हिन्दू केस अगेंस्ट पाकिस्तान इस शीर्षक के अंतर्गत हैं। खंडित एकता, सुरक्षा की दुर्बलता और पाकिस्तान तथा धार्मिक एकता इन विषयों द्वारा पाकिस्तान के निर्माण के विरोध में हिन्दू समाज के तर्कों को रखा गया है। आगे पाकिस्तान नहीं बना तो इस शीर्षक के अंतर्गत तीन अध्याय हैं। इसमें पाकिस्तान का विकल्प, हिन्दू और मुस्लिमों के दृष्टिकोण से दिया है। अंतिम तीन अध्याय पाकिस्तान के निर्माण की बेचैनी इस शीर्षक के अंतर्गत हैं। इनमें सामाजिक मुद्दे, जातिगत संघर्ष, राष्ट्रीय अवसाद आदि विषयों का वर्णन है। बाबा साहब ने हिन्दू-मुस्लिम मसले के सभी पहलुओं का जिक्र इस किताब में किया है लिहाजा ये किताब किसी एक के पक्ष में नहीं है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अपडेट

रिसर्च...प्याज से भी मिल सकती है ब्लड शुगर कंट्रोल करने में मदद

देश में एक बड़ी आबादी आज डायबिटीज से ग्रसित है। जीवनशैली और खानपान में आए बदलावों की वजह से लोगों को ब्लड शुगर यानी डायबिटीज का जोखिम बढ़ जाता है। हालांकि, जानकार बताते हैं कि यदि आप अपनी डाइट में कुछ आवश्यक बदलाव करें तो डायबिटीज को कंट्रोल किया जा सकता है और इससे होने वाली परेशानी को कम किया जा सकता है। कुछ स्टडी बताती हैं कि डायबिटीज में प्याज खाना फायदेमंद हो सकता है। प्याज में मौजूद क्यूर्सीटिन, सल्फर कंपाउंड्स, क्रोमियम, फाइबर और एंटीऑक्सिडेंट्स जैसे पोषक तत्व शरीर में ग्लूकोज मेटाबॉलिज्म और इंसुलिन की कार्यक्षमता को भी प्रभावित कर सकते हैं।

मेडटिगो जनरल नेटवर्क के अनुसार प्याज अपने औषधीय गुणों के लिए काफी उपयोग किया जाता है। यह स्टडी 2010 और 2024 के बीच एलियम सेपा (प्याज) पर की गई रिसर्च के नतीजों को एक साथ लाती है। रिसर्च से पता चलता है कि एलियम सेपा कई तरीकों से डायबिटीज को कंट्रोल करने में काफी असरदार हो सकता है, जैसे कि एंटीऑक्सीडेंट गतिविधि, ग्लूकोज मेटाबॉलिज्म को नियंत्रित करना और इंसुलिन सेंसिटिविटी में सुधार करना आदि।

साइंस डायरेक्ट के अनुसार क्वेरसेटिन ब्लड शुगर को कंट्रोल करने में मदद कर सकता है। करीब 100 ग्राम प्याज में लगभग 23 से 48 फीसदी क्वेरसेटिन पाया जाता है। क्वेरसेटिन कोशिकाओं द्वारा ग्लूकोज के अवशोषण को उत्तेजित करता है और हाई ब्लड शुगर के स्तर को कम करता है।

सल्फर और क्रोमियम: रिसर्च गेट के अनुसार सल्फर टाइप 2 डायबिटीज के रोगियों में ब्लड शुगर के स्तर को कम करने में मदद करता है। प्याज में एलीयल प्रोपियल डिसुलफ्लाइड जैसे सल्फर कंपाउंड्स पाए जाते हैं, जो शुगर को कंट्रोल करने में सहायक होते हैं। एनसीबीआई के अनुसार क्रोमियम इंसुलिन संवेदनशीलता में सुधार करता है, जिससे मधुमेह रोगियों में रक्त शर्करा का स्तर कम होता है। डाइटरी फाइबर से ब्लड शुगर के स्तर को सामान्य बनाए रखने में मदद मिलती है। प्याज ब्लड शगुर को कंट्रोल करने का कोई चमत्कारी इलाज नहीं है, लेकिन इसमें मौजूद पोषक तत्व और अन्य बायोएक्टिव कंपाउंड ब्लड शुगर के नियंत्रण में सहायक भूमिका निभा सकते हैं। वर्तमान वैज्ञानिक शोध इसके संभावित लाभों की ओर संकेत करते हैं, जिस पर अन्य एडवांस रिसर्च की आवश्यकता है। प्याज को डायबिटीज की दवाओं या डॉक्टर की सलाह का विकल्प नहीं माना जा सकता। बेहतर होगा कि इसे संतुलित भोजन का हिस्सा बनाया जाए ,नियमित व्यायाम हो और डॉक्टर द्वारा बताए गए उपचार का पालन किया जाए।

निशाना

यह कार नहीं अहंकार है..!

जय श्री

यह कार नहीं, अहंकार है!
राह चलती सड़क को समझती अपना घर-द्वार है।
न आगे देखे, न पीछे ताके, न बच्चों की परवाह,
न बुजुर्गों का ख्याल रखे। हॉर्न बजाती शोर मचाती,
सड़क पे हाहाकार मचाती! चाहे जितनी भी हो रही
बरसात, हर गड्ढे को दिखाती उसकी औकात।
पानी उछाले, कीचड़ उड़ाए, औरों की परवाह इसे
ज़रा न आए! चाहे कोई जाए स्कूल या अस्पताल,
सब पर रौब जमाए, करे सबका जीना मुहाल!
अगर बीच में आ जाए दो पहिए की सवारी,
तो चिल्लाती– 'हट जा साइड, पहले मेरी जाने की बारी!
जो अनसुनी कर दे कोई इसकी आवाज़,
तो घूरती हुई दिखाती अपने तल्ख़ मिज़ाज।
दिखावे की इस दौड़ में, इंसानियत पीछे छूट गई,
लोहे के इस डिब्बे में, संवेदनशीलता टूट गई!

न्यू लॉन्च

मारुति सुजुकी जल्द लाएगी सात सीटर इलेक्ट्रिक एसयूवी, 500 km से ज्यादा की रेंज

मारुति सुजुकी भारतीय बाजार में 7 सीटर कार बेचने के मामले में काफी आगे है और अब वह इलेक्ट्रिक व्हीकल सेगमेंट में भी 7 सीटर कार लॉन्च करने की तैयारियों में है, जो कि अर्टिगा जैसा जलवा दिखा सकती है। मौजूदा समय में महिंद्रा एंड महिंद्रा की एक्सईवी 9एस और किआ इंडिया का कैरेंस क्लैविस ईवी ग्राहकों की जरूरतें पूरी कर रही हैं। अब मारुति सुजुकी ईवी एक्सपेंशन के प्रयासों में ई-विटारा के साथ 7 सीटर ईवी के जरिये ग्राहकों को रिझाने की कोशिश करेगी। मारुति सुजुकी की अपकमिंग 7 सीटर ईवी में स्टाइलिश लुक और मॉडर्न फीचर्स के साथ ही 500 किलोमीटर से ज्यादा की रेंज मिल सकती है।

इसका संभावित नाम YMC हो सकता है और इसे बड़ी फैमिली के लिए 3-कतारों के साथ पेश किया जा सकता है। इसमें बड़ा सा ग्लास एरिया दिखेगी और लुक-डिजाइन के मामले में यह काफी आधुनिक हो सकती है। हालांकि, कंपनी ने अब तक इसके बारे में किसी प्रकार की जानकारी नहीं दी है, ऐसे में आने वाले समय में जानकारी विस्तार से मिल पाएगी। बता दें कि मारुति सुजुकी YMC अपनी इलेक्ट्रिक तकनीक और अंडरपिनिंग्स को ई विटारा के साथ शेयर कर सकती है और ऐसे में माना जा रहा है कि इसमें 49 kWh और 61 kWh के दो बैटरी पैक विकल्प मिल सकते हैं। सिंगल चार्ज रेंज 500 किलोमीटर से ज्यादा की हो सकती है और यह डीसी फास्ट चार्जिंग सपोर्ट करेगी। एसयूवी में बड़ी स्क्रीन, ग्लास रूफ, वायरलेस स्मार्टफोन कनेक्टिविटी और चार्जर के साथ ही वेंटिलेटेड फ्रंट सीट्स, मल्टी-जोन क्लाइमेट कंट्रोल, 7 एयरबैग्स, 360 डिग्री कैमरा और लेवल 2 ADAS समेत काफी सारी खूबियां होंगी।

इस इलेक्ट्रिक एसयूवी की मैन्युफैक्चरिंग मारुति सुजुकी के गुजरात प्लांट में होने की उम्मीद है, जहां पहले से ही ई-विटारा का निर्माण किया जाता है। YMC का उत्पादन शुरू होने के बाद इस प्लांट से इसे एक्सपोर्ट भी किया जा सकता है। माना जा रहा है कि अगले साल की शुरुआत में यह भारत में लॉन्च हो जाएगी और इसकी शुरुआती एक्स शोरूम प्राइस 20 लाख रुपये से कम हो सकती है।

वायरल कंटेंट

लड़की को शादी के लिए किया प्रपोज रिजेक्ट होते ही मांगा 20 करोड़ का मुआवजा!

किसी को प्रपोज करना और बदले में 'हां' या 'ना' सुनना निजी जिंदगी का हिस्सा है। लेकिन क्या किसी के प्रपोजल को ठुकराने पर उससे करोड़ों रुपये का मुआवजा मांगा जा सकता है? सिंगापुर से सामने आया एक बेहद असामान्य कानूनी मामला इसी सवाल की वजह से लंबे समय तक चर्चा में रहा। यहां एक शख्स ने अपनी सालों पुरानी महिला दोस्त के सामने प्यार और शादी का प्रस्ताव रखा। महिला ने रोमांटिक रिश्ता स्वीकार करने से इनकार कर दिया और साफ कर दिया कि वह सिर्फ दोस्ती का रिश्ता बनाए रखना चाहती है। इसके बाद मामला निजी जिंदगी से निकलकर अदालत तक पहुंच गया।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस मामले में शख्स की पहचान K. Kawshigan के तौर पर हुई, जबकि महिला का नाम Nora Tan Shu Mei बताया गया। दोनों लंबे समय से एक-दूसरे को जानते थे और उनके बीच दोस्ती का रिश्ता था। समय के साथ Kawshigan की भावनाएं दोस्ती से आगे बढ़ गई। वह इस रिश्ते को रोमांटिक संबंध और आगे चलकर शादी में बदलना चाहता था। लेकिन उसे ना सुनना पड़ा, जिसके बाद उसने कुछ ऐसा किया, जिसने दुनिया को हैरान कर दिया।

मांगा बीस करोड़ का हर्जाना: शख्स को उम्मीद थी कि महिला उसका प्रपोजल मान लेगी। इसी उम्मीद के साथ उसने महिला के सामने अपने प्यार का इजहार किया। लेकिन Nora Tan ने उसके प्रस्ताव को स्वीकार नहीं किया। उन्होंने कथित तौर पर यह स्पष्ट किया कि वह उसे रोमांटिक पार्टनर के तौर पर नहीं देखतीं और उनके बीच सिर्फ दोस्ती का रिश्ता ही हो सकता है। यहीं से दोनों के रिश्ते में तनाव बढ़ने लगा। Kawshigan ने महिला के इनकार को सामान्य अस्वीकृति की तरह स्वीकार करने के बजाय कानूनी रास्ता अपनाने का फैसला किया। उसने अदालत में दावा किया कि महिला के व्यवहार और उसके प्रपोजल को ठुकराने से उसे गंभीर भावनात्मक परेशानी हुई। उसने इस कथित नुकसान के लिए भारी भरकम मुआवजे की मांग की। उसने यह भी दावा किया कि इस पूरे घटनाक्रम का असर उसकी प्रतिष्ठा और व्यावसायिक अवसरों पर पड़ा। मामले को असामान्य बनाने वाली बात यह थी कि जिस घटना की शुरुआत एक निजी रिश्ते और प्रेम प्रस्ताव से हुई थी, उसे कानूनी विवाद में बदल दिया गया।

भोपाल से ब्यावरा जा रही गुरु कृपा बस में करीब 50 यात्री थे सवार, टर्न पर बिगड़ा संतुलन, प्रत्यक्षदर्शी बोले- तेज रफ्तार में बस चला रहा था ड्राइवर

बायपास पर तीन पलटी खाई बस, फोरलेन के बीच गिरी, 30 यात्री घायल

राजगढ़ दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल से ब्यावरा की ओर आ रही गुरु कृपा बस रात करीब 9 बजे नरसिंहगढ़ बायपास पर बांडा-बेदरा तालाब के पास अनियंत्रित होकर पलट गई। बस इतनी तेज रफ्तार में थी कि मोड़ पर अचानक बेकाबू हुई और फिर एक के बाद एक तीन पलटी खाते हुए फोरलेन के बीच जा गिरी। हादसे में करीब 30 यात्री घायल हुए हैं। घायलों में महिलाएं, बुजुर्ग, युवतियां और युवक शामिल हैं। बस में करीब 50 यात्री सवार थे।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बस काफी तेज रफ्तार में थी। बायपास पर टर्न लेते समय चालक बस को नियंत्रित नहीं कर सका। इसके बाद बस सड़क पर पलटती हुई फोरलेन के बीच जा गिरी। हादसा इतना अचानक हुआ कि यात्रियों को संभलने तक का मौका नहीं मिला। बस के पलटते ही यात्रियों में चीख-पुकार मच गई, बायपास से गुजर रहे लोगों ने रुककर घायलों को बस से बाहर निकालने में मदद की और पुलिस को सूचना दी। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने घायलों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया।

10 किमी पहले से लहरा रही थी बस - ज्ञान सिंह

बस में सवार घायल यात्री गुना निवासी ज्ञान सिंह ने बताया कि हादसे से करीब 10 किलोमीटर पहले से ही बस लहराते हुए चल रही थी। चालक तेज रफ्तार में बस चला रहा था। नरसिंहगढ़ बायपास पर टर्न के दौरान बस अचानक नियंत्रण से बाहर हो गई। ज्ञान सिंह भी हादसे में घायल हुए हैं। उन्होंने बताया कि बस पलटने के दौरान वे सीट के नीचे फंस गए थे। इसी वजह से उन्हें अपेक्षाकृत कम चोट आई। उन्होंने बताया कि बस में कुछ यात्री सीटों पर बैठे थे, जबकि कई यात्री खड़े भी थे।

घायलों को पहुंचाया अस्पताल

बस के फोरलेन के बीच पलटने के बाद आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और बस में फंसे यात्रियों को बाहर निकालना शुरू किया। घायल यात्रियों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंची। हादसे में घायल महिलाओं, बुजुर्गों और युवाओं का उपचार जारी है।

न्यूज विंडो

सेवा भारती जिला भोजपुर द्वारा कराया जाएगा निशुल्क महिला

मंडीदीप। इस आशय की जानकारी देते हुए समिति अध्यक्ष राजकुमार श्रीवास्तव, सचिव संकल्प दीक्षित एवं उपाध्यक्ष पूर्णिमा जैन, में बताया की सेवा भारती भोजपुर जिला द्वारा सेवा बस्तियों में समाज के वंचित, अभावग्रस्त, उपेक्षित और पीड़ितों के सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वावलंबन, सामाजिक जागरूकता एवं आपदा प्रबंधन, पांच आयामों पर आधारित सेवा कार्य करती है, सेवा भारती द्वारा स्वावलंबन आयाम के अंतर्गत जिले की महिलाओं के स्वावलंबन हेतु सिलाई प्रशिक्षण केंद्र का शुभारंभ 15 अगस्त विक्रम संबंध 2083, श्रावण मास शुक्ल, पक्ष तृतीया तिथि, दिन शनिवार को श्री गोल्ड पार्क (फैक्ट्री) नेशनल हाईवे रोड, मंडीदीप में किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस केंद्र का शुभारंभ राजकुमार मटाले, (अखिल भारतीय सह सेवा प्रमुख, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ) के करकमलों द्वारा डॉक्टर पीएस बिंद्रा , (प्रांत अध्यक्ष, सेवा भारतीय मध्य भारत) की अध्यक्षता एवं राजीव अग्रवाल जी, (चेयरमेन एसोसिएशन आफ इंडस्ट्रीरीज, मंडीदीप) के विशेष अतिथ्य में किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इससे सेवा बस्तियों की बहनों को स्वावलंबन होने में मदद होगी, जिससे वह अपने परिवार के भरण पोषण में सहायक होंगी और आर्थिक मदद भी प्राप्त करेंगी, जिससे वह स्वावलंबी बनेगी। उन्होंने बताया कि इस केंद्र के शुभारंभ में आनॉक्स एयर प्रोडक्ट लिमिटेड मध्यप्रदेश के बिजनेस हेड अनिल खमेसरा द्वारा सीएसआर के सौजन्य से प्रारंभ किया जा रहा है।

उज्जैन के होटल में भोपाल की युवती से ज्यादती, दोस्त बनकर दिया धोखा

उज्जैन। शहर में आशीर्वाद होटल में एक युवती से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। युवती भोपाल की रहने वाली है और पुलिस ने उसकी शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच में ले लिया है। आरोपी युवक देवास का रहने वाला है और उसने इंस्टाग्राम पर युवती से दोस्ती की थी और फिर मिलने के लिए बुलाकर होटल में उसके साथ दुष्कर्म किया। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी युवती को स्टेशन पर छोड़कर फरार हो गया, पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है। पुलिस के अनुसार भोपाल में रहने वाली पीड़ित युवती एक ब्यूटी पार्लर में फ्रीलांसर के रूप में काम करती है। पीड़िता ने अपनी शिकायत में बताया है कि करीब एक महीने पहले इंस्टाग्राम पर उसकी पहचान देवास निवासी सुनील पिता जगदीश से हुई थी। दोनों के बीच सोशल मीडिया पर लगातार बातचीत होने लगी। इसी दौरान सुनील ने उसे उज्जैन आकर दर्शन करने के लिए कहा। पीड़िता उसकी बातों में आ गई और 9 अगस्त को भोपाल से उज्जैन के लिए रवाना हो गई। पीड़िता ने बताया कि सीहोर रेलवे स्टेशन पर सुनील उसे मिला और फिर अपने साथ उज्जैन लाया। उज्जैन में उसने दाऊदखेड़ी स्थित होटल आशीर्वाद में कमरा बुक किया। युवती का आरोप है कि होटल में सुनील ने उसके साथ मारपीट की और दुष्कर्म किया। 10 अगस्त को आरोपी उसे रैपिडो से शहर में घुमाने ले गया, लेकिन कुछ देर बाद मंदिर बंद होने की बात कहकर वापस होटल ले आया। युवती का आरोप है कि होटल में दोबारा उसके साथ आरोपी ने दुष्कर्म किया। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी सुनील उसे अपने साथ उज्जैन रेलवे स्टेशन लेकर पहुंचा और वहां छोड़कर फरार हो गया। इसके बाद पीड़िता जीआरपी थाने पहुंची, जहां से उसे नीलगंगा थाना भेजा गया। पुलिस ने युवती की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म और धमकाने की धारा में केस दर्ज किया है। पुलिस का कहना है कि आरोपी फिलहाल फरार है, उसकी तलाश की जा रही है।

खेलते-खेलते अयनांश के साथ अनहोनी 3 किमी दूर मिला शव, खत्म हुई तलाश

देवास। मध्यप्रदेश के देवास जिले के सतवास थाना क्षेत्र के मोहाई जागीर गांव में नाले में बहे 3 वर्षीय अयनांश पिता बबलू का शव बीते दिन करीब 3:50 बजे बरामद हुआ। शव घटनास्थल से करीब 3 किलोमीटर दूर मिला है। शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया और पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया गया। अयनांश दूसरे बच्चों के साथ खेलते-खेलते नाले पर पहुंच गया था और नाले में बह गया था। अयनांश की मौत के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और गांव में मातम पसरा हुआ है। अयनांश अन्य बच्चों के साथ खेलते-खेलते मोहाई-बापचा मार्ग स्थित गारबाड़ी खाली नाले के पास पहुंच गया था। इसी दौरान अचानक पानी का बहाव बढ़ने से वह उसकी चपेट में आ गया। ग्रामीणों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद पुलिस-प्रशासन और SDRF की टीम मौके पर पहुंची और सर्च ऑपरेशन शुरू किया, लेकिन देर रात तक उसका पता नहीं चला। अंधेरा होने के कारण तब रेस्क्यू टीम ने सर्च ऑपरेशन रोक दिया था। दोबारा सर्चिंग शुरू की और नाव से घटनास्थल से करीब 5 से 7 किलोमीटर तक नाले में तलाश की। इसके बाद नाले के किनारे पैदल सर्चिंग करते हुए लकड़ियों के सहारे पानी और झाड़ियों में तलाश की गई। पुल के आसपास घनी झाड़ियां और कांटेदार वनस्पति होने के कारण एसडीआरएफ टीम को परेशानी का सामना करना पड़ा, जिसके बाद जेसीबी की मदद से रास्ता और झाड़ियां साफ कराई गईं। लगातार तलाश के दौरान शाम करीब 3:50 बजे घटनास्थल से करीब 3 किलोमीटर दूर अयनांश का शव पानी में मिला।

हर्षा रिछारिया ने सोशल मीडिया पर वीडियो जारी कर जताई नाराजगी

कांवड़ यात्रा में शराब-गांजे का इस्तेमाल अश्लील डांस को लेकर भी उठाए सवाल

उज्जैन। दोपहर मेट्रो

मॉडल से साध्वी बनीं हर्षा रिछारिया (साध्वी हर्षानंद गिरि) एक बार फिर अपने बयान को लेकर चर्चा में हैं। संतों के आश्रम को लेकर दिए बयान के बाद अब उन्होंने कांवड़ यात्राओं में डीजे, नशे और अश्लील डांस को लेकर सवाल खड़े किए हैं। हर्षा ने सोशल मीडिया पर वीडियो जारी कर कांवड़ यात्रा के बदलते स्वरूप पर नाराजगी जताई है। दरअसल हर्षा रिछारिया हाल ही में विधायक गोलू शुक्ला की बाणेश्वरी कांवड़ यात्रा में शामिल हुई थीं। तीन अगस्त को महेश्वर से शुरू हुई यह यात्रा 9 अगस्त को उज्जैन पहुंची थी, जहां कांवड़ यात्रियों का भव्य स्वागत किया गया।

यात्रा के कुछ दिन बाद हर्षा रिछारिया ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी किया। वीडियो में उन्होंने कांवड़ यात्राओं में बढ़ते डीजे, झांकियों, नशे और डांस को लेकर आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि कांवड़ यात्रा पहले श्रद्धा और आस्था के साथ निकाली जाती थी, लेकिन अब कई जगहों पर इसका स्वरूप बदलता नजर आ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांवड़ यात्राओं में डीजे और झांकियों के साथ शराब और गांजे का इस्तेमाल होता है। हर्षा ने भगवान शिव और माता पार्वती के रूप में तैयार कलाकारों के अश्लील डांस को लेकर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि धार्मिक यात्राओं में इस तरह की गतिविधियां सनातन धर्म की छवि को नुकसान पहुंचाती हैं। हर्षानंद गिरि ने कहा कि कांवड़ यात्रा की आड़ में नशा और अश्लीलता को बढ़ावा नहीं दिया जाना चाहिए। सरकार को ऐसे मामलों में सख्त कदम उठाने चाहिए।

सरकार से मांग

हर्षा रिछारिया ने सरकार से मांग की है कि नशा करने वाले कांवड़ियों पर कार्रवाई हो और बड़े डीजे और आपत्तिजनक कार्यक्रमों पर रोक लगाई जाए। उनका कहना है कि समय रहते इस पर नियंत्रण नहीं किया गया, तो आने वाले वर्षों में स्थिति और बिगड़ सकती है।

बाणेश्वरी कांवड़ यात्रा में खुद हुई थीं शामिल

हर्षा रिछारिया के इस बयान के बाद सवाल भी उठ रहे हैं। दरअसल जिस बाणेश्वरी कांवड़ यात्रा में वह खुद शामिल हुई थीं, उस दौरान भी डीजे और अलग-अलग वेशभूषा में कलाकार डांस करते नजर आए थे। हालांकि हर्षा ने अपने वीडियो में इस यात्रा को लेकर कोई टिप्पणी नहीं की और उनकी आपत्ति हरिद्वार से निकलने वाली कांवड़ यात्राओं के संदर्भ में सामने आई है। अब कांवड़ यात्रा के स्वरूप को लेकर हर्षा रिछारिया के इस बयान पर संत समाज और कांवड़ यात्रियों की प्रतिक्रिया का इंतजार है।

मैट्रिमोनियल साइट पर खुद को IAS बताकर महिला डॉक्टर से तीन लाख ठगे, वाराणसी से आरोपी गिरफ्तार

नरसिंहपुर। दोपहर मेट्रो

मैट्रिमोनियल साइट पर खुद को आईएएस अधिकारी बताकर महिला डॉक्टर से करीब तीन लाख रुपये की ठगी करने वाले आरोपी को नरसिंहपुर पुलिस ने उत्तर प्रदेश के वाराणसी से गिरफ्तार किया है। आरोपी ने महिला को भरोसे में लेने के लिए खुद को मध्यप्रदेश कैडर का आईएएस अधिकारी बताते हुए धार में एसडीएम के पद पर पदस्थ होने का दावा किया था। पुलिस ने तकनीकी जांच के आधार पर आरोपी तक पहुंचकर उसे गिरफ्तार किया। पुलिस ने प्रेस वार्ता में पूरे मामले का खुलासा किया।

पुलिस के अनुसार नरसिंहपुर की महिला डॉक्टर ने 10 अगस्त को कोतवाली थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। महिला की पहचान मैट्रिमोनियल साइट जीवनसाथी डॉट कॉम के माध्यम से उत्तर प्रदेश के भदोही जिले के बभनौती निवासी संजय कुमार से हुई थी। आरोपी ने महिला को बताया कि उसने पटना से एमबीबीएस और एमडी की पढ़ाई की है। इसके बाद उसने खुद को मध्यप्रदेश कैडर का आईएएस अधिकारी बताते हुए धार में एसडीएम पद पर पदस्थ होने का दावा किया। उसने महिला को प्रभावित करने के लिए वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों से करीबी संबंध होने की बात भी कही।

पुलिस के मुताबिक आरोपी ने महिला को अपने झांसे में लेने के बाद विभिन्न तरह की मदद करने का भरोसा दिलाया। इसी दौरान उसने अलग-अलग माध्यमों से महिला से करीब तीन लाख रुपये ले लिए। काफी समय बाद जब महिला को आरोपी के दावों पर संदेह हुआ तो उसने पुलिस से शिकायत की। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने जीवनसाथी डॉट कॉम पर आरोपी की प्रोफाइल और उसके सोशल मीडिया अकाउंट की तकनीकी जांच शुरू की। जांच में आरोपी के आईएएस अधिकारी होने के दावों से जुड़े कई प्रमाण मिले।

धार प्रशासन से पुष्टि के बाद खुला फर्जीवाड़ा

पुलिस ने आरोपी के दावे की पुष्टि के लिए धार जिला प्रशासन से संपर्क किया। वहां जांच करने पर पता चला कि संजय कुमार नाम का कोई व्यक्ति धार में एसडीएम या किसी अन्य प्रशासनिक पद पर पदस्थ नहीं है। इसके बाद पुलिस को आरोपी के फर्जी आईएएस अधिकारी बनकर लोगों को प्रभावित करने की पुष्टि हुई। इसके बाद पुलिस टीम ने तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपी की वास्तविक पहचान और लोकेशन का पता लगाया। पुलिस टीम उप्र पहुंची और वाराणसी में दबिश देकर संजय कुमार को गिरफ्तार कर लिया।

गारंटी पीरियड में ही सड़क बनी गड्ढों की शिकार, जांच पर उठ रहे सवाल

कोतमा। दोपहर मेट्रो

नगर के वार्ड नंबर 7 में स्कूल के पास बनी सड़क की हालत गारंटी पीरियड के दौरान ही खराब होने लगी है। सड़क पर जगह-जगह गड्ढे दिखाई दे रहे हैं, जिससे निर्माण की गुणवत्ता और संबंधित विभाग की निगरानी व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। जिस सड़क को अभी लंबे समय तक चलना चाहिए था, वह गारंटी अवधि में ही गड्ढों में तब्दील हो गई। ऐसे में सवाल उठता है कि सड़क निर्माण के दौरान इंजीनियर और संबंधित अधिकारियों ने गुणवत्ता की सही तरीके से जांच की। यदि निर्माण सामग्री, सड़क की मोटाई, बेस एवं डामरीकरण की गुणवत्ता मानकों के अनुरूप थी, तो इतनी कम अवधि में सड़क की हालत इतनी खराब कैसे हो गई? वहीं, यदि निर्माण कार्य में गुणवत्ता संबंधी कमी थी, तो निरीक्षण और भुगतान के समय जिम्मेदार अधिकारियों ने इसे क्यों नहीं पकड़ा। गारंटी अवधि में सड़क खराब होने के बावजूद ठेकेदार पर कार्रवाई क्यों नहीं की जा रही। इसको लेकर लोग सवाल उठा रहे हैं।

मेट्रो एंकर

विधायक हरिसिंह रघुवंशी के जन्मदिन पर धार्मिक आयोजन

हनुमान मंदिर में अखंड रामायण के साथ हुआ कन्या भोज

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

क्षेत्रीय विधायक हरि सिंह रघुवंशी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में नगर में विभिन्न धार्मिक आयोजनों का आयोजन किया गया। भाजपा जिला उपाध्यक्ष एवं नगर पालिका उपाध्यक्ष संदीप ठाकुर के नेतृत्व में बेदनखेड़ी स्थित हनुमान मंदिर में अखंड रामायण पाठ का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने रामायण पाठ में सहभागिता कर विधायक हरि सिंह रघुवंशी के स्वस्थ, दीर्घायु एवं सफल राजनीतिक जीवन की कामना की।

जन्मदिन के अवसर पर हनुमान मंदिर में विधि-विधान से विशेष पूजा-अर्चना की गई। इसके साथ ही जगदीश मंदिर में भगवान जगन्नाथ स्वामी की पूजा-अर्चना कर क्षेत्र एवं नागरिकों की सुख-शांति, समृद्धि और खुशहाली के लिए प्रार्थना की गई।धार्मिक अनुष्ठानों के पश्चात विशाल कन्या भोज एवं भंडारे का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम कन्याओं का विधिवत पूजन कर उन्हें भोजन कराया गया और उपहार भेंट किए गए। इसके बाद सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भंडारे में प्रसादी ग्रहण की। आयोजन में संजय रघुवंशी, पार्षद प्रतिनिधि राजू ठाकुर, ग्रामीण मंडल अध्यक्ष लाखन रघुवंशी, जिला सह मीडिया प्रभारी राजेश अरोरा, एल्डरमैन प्रवीण जादौन, भावना मलैया, शिवराज सेन, भाजपा नेता नीरज मिश्रा, मंडल उपाध्यक्ष संजय शर्मा, सोनू कुशवाह, सुमन आचार्य, पार्षद मनीष विश्वकर्मा, शुभम रघुवंशी, चंद्रशेखर चौबे, जगदीश शर्मा, गजेंद्र राजपूत, पवन रिछारिया, कान्हा नेमा, हेमंत मिश्रा, अवधेश तिवारी, नरेंद्र जैन सहित बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता एवं गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। इस अवसर पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष एवं नगर पालिका उपाध्यक्ष संदीप ठाकुर ने कहा कि विधायक हरि सिंह रघुवंशी ने हमेशा क्षेत्र के विकास, गरीबों के कल्याण और जनसमस्याओं के समाधान को प्राथमिकता दी है। उनका जन्मदिन केवल जन्मोत्सव मनाने का अवसर नहीं, बल्कि जनसेवा और विकास के संकल्प को और मजबूत करने का अवसर है। उन्होंने कहा कि धार्मिक आयोजन भारतीय संस्कृति की आत्मा हैं और ऐसे आयोजन समाज को जोड़ने तथा आपसी सद्भाव को मजबूत करने का कार्य करते हैं। विधायक हरि सिंह रघुवंशी के नेतृत्व में क्षेत्र विकास की नई ऊंचाइयों की ओर अग्रसर है और आने वाले समय में भी विकास की यह यात्रा निरंतर जारी रहेगी।

मुरैना की घटना: बेटे से मारपीट के बाद धमकी दी, फिर डेढ़ बजे बाइक से पहुंचे बदमाश

रात 1: 30 बजे भाजपा जिला उपाध्यक्ष के घर पर फायरिंग, मुरैना में हड़कंप

मुरैना। दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश के मुरैना शहर की पटी गली-दत्तपुरा में बुधवार-गुरुवार की दरमियानी रात करीब डेढ़ बजे बाइक की आवाज के साथ अचानक गोलियों की तड़तड़ाहट गूंजी। बाइक सवार दो बदमाश भाजपा जिला उपाध्यक्ष मधु दंडोतिया के घर पहुंचे और फायरिंग कर भाग निकले। वारदात के बाद परिवार में दहशत फैल गई। गली और घर में लगे सीसीटीवी कैमरे में दोनों बदमाश कैद हुए हैं। पुलिस ने फुटेज के आधार पर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। मामले की शुरुआत बुधवार शाम करीब 6 बजे हुई। फरियादी दीपक पुत्र केशव सिंह दंडोतिया (46) निवासी पटी गली दत्तपुरा ने पुलिस को बताया कि उनका बेटा रुद्र दंडोतिया कंषाना गली से कोचिंग पढ़कर लौट रहा था। इसी दौरान कान्हा दंडोतिया अपने साथी आकाश दंडोतिया के साथ जीप से आया और रुद्र की तरफ गाड़ी कर दी। विरोध करने पर दोनों ने रुद्र के साथ थप्पड़ों से मारपीट की। रुद्र ने घर पहुंचकर पिता दीपक को घटना बताई। इसके बाद दीपक ने कान्हा दंडोतिया और उसके पिता को घर बुलाया। आरोप है कि दोनों घर में आते ही गाली-गलौज करने लगे। कान्हा ने कहा कि अभी तो लड़के को मारा है, अगली बार सामने पड़ा तो जान से खत्म कर दूंगा। इसके बाद कमर से कट्टा निकालकर भाजपा जिला उपाध्यक्ष के पति दीपक के सीने पर लगा दिया और धमकी दी कि आज रात तेरे घर पर गोली दूंगा। साथ ही बेटे कहीं भी दिखाई देने पर उसे और उसके बच्चों को जान से मारने की धमकी दी।

एफआईआर के बाद धमकी सच साबित हुई

मधु दंडोतिया के अनुसार, घटना के बाद कान्हा के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई गई। एफआईआर से नाराज आरोपी ने उन्हें धमकी दी थी। रात करीब डेढ़ बजे कान्हा एक साथी के साथ बाइक से उनके घर पहुंचा और फायरिंग कर दी। दोनों आरोपी वारदात के बाद मौके से फरार हो गए।

आरोपी के पिता पर भी धमकी देने का आरोप

भाजपा जिला उपाध्यक्ष ने आरोप लगाया कि आरोपी के पिता विजय दंडोतिया ने भी उन्हें धमकी दी। उन्होंने कहा कि एफआईआर की कार्रवाई क्यों की। जेल से बाहर आने के बाद तुम्हें और बच्चों को जान से मार देंगे।

सीसीटीवी में कैद हुए बदमाश, तलाश जारी

फायरिंग की सूचना मिलते ही पुलिस सक्रिय हुई। सीएसपी दीपाली चंदेरिया ने बताया कि आरोपियों की तलाश के लिए पुलिस की टीमें लगाई गई हैं। सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। आरोपियों को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

न्यूज विंडो

जनसुनवाई में 192 आवेदनों पर सुनी आमजनों की समस्याएं

नरसिंहपुर। विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल द्वारा विधायक निवास पर आयोजित की जाने वाली जनसुनवाई में इस सप्ताह 192 आवेदन प्राप्त हुए। जिले के विभिन्न ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों से पहुंचे नागरिकों ने अपनी समस्याएं, शिकायतें और मांगें पटेल के समक्ष रखीं। उन्होंने सभी प्रकरणों को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए तथा कई मामलों का मौके पर ही त्वरित समाधान कराया जनसुनवाई अब आमजन और जनप्रतिनिधि के बीच प्रभावी संवाद का सशक्त माध्यम बनती जा रही है। बड़ी संख्या में लोग अपनी समस्याओं के समाधान की उम्मीद लेकर यहां पहुंचते हैं। त्वरित कार्रवाई, संवेदनशीलता और सकारात्मक पहल के कारण लोगों का जनसुनवाई के प्रति विश्वास लगातार बढ़ रहा है। इस अवसर पर जालम सिंह पटेल ने कहा कि जनता की समस्याओं का स्थायी समाधान उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण सुनिश्चित किया जाए, ताकि लोगों को अनावश्यक परेशानियों का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों तक समय पर पहुंचे, इसके लिए सभी विभाग जिम्मेदारी के साथ कार्य करें। विधायक मीडिया प्रभारी वैभव नेमा ने बताया कि इस सप्ताह आयोजित जनसुनवाई में कुल 192 आवेदन प्राप्त हुए, जिन पर आवश्यक कार्रवाई प्रारंभ कर दी गई है। कई प्रकरणों को संबंधित विभागों को तत्काल भेजा गया है, जबकि अनेक मामलों का समाधान मौके पर ही कर दिया गया।

नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपी को फांसी की सजा देने की मांग

नरसिंहपुर। जिले में एक नाबालिग बच्ची के साथ दुष्कर्म के बाद हत्या किए जाने के मामले में आरोपी को न्यायालय के माध्यम से फांसी की सजा दिलाए जाने तथा मृतिका के परिवार को सरकारी नौकरी एवं आर्थिक सहायता प्रदान किए जाने की मांग को लेकर नरसिंहपुर मुस्लिम समाज के प्रतिनिधियों ने पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में उल्लेख किया गया कि 5 अगस्त को एक नाबालिग स्कूली छात्रा के साथ दुष्कर्म के बाद उसकी हत्या कर दी गई थी। इस गंभीर एवं जघन्य अपराध के मामले में पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में पुलिस द्वारा जिस तत्परता और गंभीरता के साथ तत्काल कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया तथा न्यायिक हिरासत में भेजा गया, वह निश्चित रूप से सराहनीय है। समाज के लोगों ने पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई पर संतोष व्यक्त किया। मुस्लिम समाज ने पुलिस अधीक्षक से मांग की कि मामले की विवेचना एवं न्यायिक प्रक्रिया को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाते हुए आरोपी को न्यायालय से कठोरतम दंड, जिसमें कानून के प्रावधानों के अनुरूप मृत्युदंड भी शामिल है, दिलाने के लिए आवश्यक प्रयास किए जाएं। ज्ञापन के माध्यम से शासन-प्रशासन से यह भी मांग की गई कि मृतिका के परिवार को एक करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाए तथा परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी दी जाए, ताकि इस असहनीय दुख की घड़ी में परिवार को आर्थिक एवं सामाजिक संबल मिल सके। समाज के प्रतिनिधियों ने पुलिस अधीक्षक से अपेक्षा की कि वे इस गंभीर मामले में शासन एवं प्रशासन का ध्यान आकर्षित करते हुए पीड़ित परिवार को न्याय और उचित सहायता दिलाने के लिए आवश्यक पहल करें।

पुराने लाइसेंसी हथियार को बदलने की अनुमति को लेकर गर्माया मामला

पंच सम्मेलन में मंच पर भिड़े कलेक्टर और सरपंच, बंदूक पर छिड़ी बहस

गुना। दोपहर मेट्रो

गुना के पंच सम्मेलन में पुराने लाइसेंसी हथियार को बदलने की अनुमति को लेकर सरपंच नरेंद्र सिंह और कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल के बीच तीखी बहस हो गई। सरपंच ने सुरक्षा के लिए हथियार जरूरी बताया, जबकि कलेक्टर ने कानून-व्यवस्था का हवाला देते हुए नियमों के तहत ही लाइसेंस देने की बात कही। जनप्रतिनिधियों और प्रशासन के संवाद के लिए आयोजित पंच सम्मेलन तब सुर्खियों में आ गया, जब मंच से ही कलेक्टर और एक सरपंच के बीच तीखी झड़प हो गई। मुद्दा था पुराने लाइसेंसी हथियार को बदलने की अनुमति का।

कांग्रेस नेता और दावतपुरा के सरपंच नरेंद्र सिंह ने खुली सभा में अपनी शिकायत रखी, तो कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल ने भी उसी लहजे में जवाब दिया। दोनों के बीच हुई नोकझोंक के बाद पूरे हॉल में देर तक चर्चा होती रही। मंच पर पहुंचते ही सरपंच नरेंद्र सिंह ने अपनी पुरानी लाइसेंसी बंदूक का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि हथियार काफी पुराना हो चुका है और अब काम नहीं कर रहा। उसे बदलने के लिए उन्होंने कई बार आवेदन दिया, लेकिन अनुमति नहीं मिली। सरपंच ने दावा किया कि इस मामले में उन्होंने पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह और पूर्व मंत्री जयवर्धन सिंह से भी बात करवाई थी। इसके बावजूद फाइल आगे नहीं बढ़ी।

उन्होंने कलेक्टर से कहा कि हमारे क्षेत्र में वन्यजीवों का शिकार होता है। शिकारियों के पास हथियार हैं। ऐसे में गांव की सुरक्षा के लिए हमारे पास भी शस्त्र होना चाहिए। अगर अनुमति नहीं देनी है तो मैं अपनी बंदूक कार्यालय में जमा कर दूंगा। सरपंच की बात सुनने के बाद कलेक्टर कन्याल ने पंच-सरपंचों को संबोधित किया। उन्होंने शस्त्र लाइसेंस के मुद्दे पर अपना रुख साफ करते हुए कहा कि कानून के दायरे में रहकर ही अनुमति दी जाएगी। इसी दौरान उनका एक बयान चर्चा का केंद्र बन गया। कलेक्टर ने कहा, हम लाइसेंस बांटकर गुना को हथियारों के लिए बदनाम जिलों जैसा नहीं बनाना चाहते। गुना की मिट्टी और यहां का माहौल शांति का है। इसे हम इसी तरह रखेंगे। कलेक्टर के इस वाक्य के बाद सभागार में सन्नाटा छा गया। कई पंच-सरपंच आपस में इस बयान पर बात करने लगे। बहस यहीं नहीं रुकी। सरपंच ने नाराजगी जताते हुए कलेक्टर को राजनीति में आने तक का न्योता दे दिया। उनका कहना था कि जनप्रतिनिधियों की बात सुनी जानी चाहिए। दूसरी ओर मंच पर मौजूद भाजपा नेताओं ने कलेक्टर के कामकाज की तारीफ की। उन्होंने कलेक्टर को जिले के लिए बेहतर प्रशासक बताया और कानून व्यवस्था को लेकर उनके सख्त रुख की सराहना की। पंच सम्मेलन का मकसद गांवों की समस्याएं और सरकारी योजनाओं पर चर्चा करना था। लेकिन हथियार लाइसेंस का मुद्दा बीच में आते ही माहौल बदल गया।

प्रशासनिक अधिकारियों का कहना है कि हथियार बदलने के आवेदन तय प्रक्रिया से गुजरते हैं। सुरक्षा, कानून व्यवस्था और पुराने रिकॉर्ड को देखते हुए ही अनुमति दी जाती है। इसमें किसी का दबाव नहीं चलता। कलेक्टर ने कहा कि सरपंच का आवेदन नियमों के अनुसार देखा जाएगा। यदि पुराना लाइसेंस वैध है और हथियार वाकई खराब है तो नियमानुसार कार्रवाई होगी। लेकिन मनमाने तरीके से लाइसेंस नहीं दिए जाएंगे। सरपंच नरेंद्र सिंह ने भी कहा कि वे कानून का सम्मान करते हैं, बस उनकी समस्या का समाधान चाहते हैं। गुना में पंच सम्मेलन के दौरान हुई इस तीखी बहस ने एक बार फिर दिखा दिया कि मंच पर जनप्रतिनिधि और अफसर आमने-सामने आ जाएं तो छोटा मुद्दा भी बड़ा बन जाता है। अब देखना होगा कि प्रशासन सरपंच की मांग पर क्या फैसला लेता है।

काका ने भतीजी से किया रेप गर्भवती हुई पीड़िता, केस दर्ज

धार। दोपहर मेट्रो

जिले की कुक्षी तहसील के बाग थाना क्षेत्र से एक बेहद शर्मनाक और मानवता को झकझोर देने वाली घटना सामने आई है। यहाँ एक कलयुगी काका ने अपनी ही भतीजी को अपनी हवस का शिकार बनाया है। आरोपी के लगातार शारीरिक शोषण के कारण पीड़िता गर्भवती हो गई है, जिससे पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया है। 35 वर्षीय अविवाहित महिला पीड़िता के परिजनों द्वारा थाने में दी गई जानकारी के अनुसार आरोपी राजू डावर अक्सर परिवार की गैर-मौजूदगी का फायदा उठाता था। घटना 7 फरवरी की रात की है, जब पीड़िता की मां ग्राम पिपरी में एक शादी समारोह में शामिल होने गई हुई थी और घर पर अकेली थी। रात करीब 1 बजे मौका पाकर आरोपी घर में घुस आया। जब नाबालिग ने विरोध किया और चिल्लाने का प्रयास किया, तो आरोपी ने उसे जान से मारने की धमकी देकर दुष्कर्म किया। इस पहली घटना के बाद आरोपी के हौसले बुलंद हो गए और उसने अपनी ही भतीजी को ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया। जब भी घर के अन्य सदस्य बाहर होते, आरोपी मौके का फायदा उठाकर लड़की के साथ घिनौनी हरकत को अंजाम देता था। इस तरह आरोपी पिछले चार महीनों से लगातार पीड़िता का दैहिक शोषण कर रहा था। लगातार चार महीने बीतने के बाद जब पीड़िता के स्वास्थ्य में बदलाव आया और वह गर्भवती हो गई, तब परिजनों को शक हुआ। माँ ने जब बेटी से हिम्मत बंधाते हुए माहवारी (पीरियड्स) रुकने को लेकर पूछताछ की, तो डरी-सहमी पीड़िता ने रोते हुए अपनी मां को पूरी आपबीती सुना दी। बेटी की दास्तां सुनकर परिजनों के होश उड़ गए। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन तुरंत बाग थाने पहुंचे, जहाँ महिला पुलिस अधिकारी की मौजूदगी में पीड़िता के बयान दर्ज किए गए।

एनालॉग पनीर, मिलावटी दूध एवं घी जब्त

धार। दोपहर मेट्रो

आयुक्त खाद्य सुरक्षा, मप्र के आदेशानुसार जिले में दूध, घी एवं दुग्ध उत्पादों में मिलावट तथा मध्यप्रदेश शासन द्वारा प्रतिबंधित एनालॉग पनीर के विरुद्ध खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। कलेक्टर राजीव रंजन मीणा के मार्गदर्शन में अभिहित अधिकारी खाद्य सुरक्षा सचिन लोगरिया के नेतृत्व में खाद्य सुरक्षा अधिकारियों रामगोपाल मऊटा एवं सुभाष खेड़कर द्वारा ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में विभिन्न प्रतिष्ठानों की जांच की गई। कार्रवाई के दौरान कुल 52 किलोग्राम एनालॉग पनीर जिसकी कीमत हजारों रुपए बताई जा रही है। खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम द्वारा पीथमपुर स्थित सांवरिया दूध डेयरी से पनीर एवं घी तथा गिरनार डेयरी से दूध एवं चॉकलेट बर्फी के नमूने जांच हेतु लिए गए। ग्राम देवगढ़, तहसील मनावर स्थित सार्थ मिल्क प्रोसेसर से दूध एवं घी तथा मनावर स्थित शुभम दूध डेयरी से पनीर का नमूना लिया गया। शुभम दूध डेयरी से एनालॉग पनीर की आशंका में लगभग 15 किलोग्राम पनीर, अनुमानित कीमत 5 हजार 400 रुपये, जप्त किया गया। इसी प्रकार कुक्षी क्षेत्र में ग्वाला डेयरी उत्पाद से दूध, कंचन श्री घी, मिल्क केक एवं पेड़ा के नमूने लिए गए। ग्राम धूलसर स्थित कावेरी दूध डेयरी के संचालक द्वारा पनीर की सप्लाई किए जाने पर पनीर का नमूना लिया गया तथा एनालॉग पनीर की आशंका में लगभग 7 किलोग्राम पनीर, अनुमानित कीमत 1 हजार 540 रुपये, जब्त किए गए। शिव किराना, कुक्षी से प्योराश्योर देशी घी के पैक का नमूना लेने के साथ शेष 100 मिलीलीटर मात्रा के 29 पैक जप्त किए गए। कुक्षी बस स्टैंड पर खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने गुजरात से बस के माध्यम से आए संतुष्टि लो फैट पनीर के लगभग 30 किलोग्राम एनालॉग पनीर, अनुमानित कीमत 8 हजार 400 रुपये, जप्त किए। साथ ही लो फैट पनीर के दो नमूने जांच हेतु लिए गए। उक्त पनीर को राधे डेयरी, धनगर मोहल्ला सुसारी, कुक्षी के संचालक द्वारा विभिन्न होटल एवं रेस्टोरेंट में विक्रय किए जाने की जानकारी सामने आई है। कार्रवाई के दौरान दूध के 3, घी के 4, पनीर के 5 तथा मिठाई के 3 नमूने, कुल 15 नमूने जांच हेतु लिए गए हैं। सभी नमूने जांच के लिए राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला, भोपाल भेजे गए हैं। प्राप्त जांच रिपोर्ट के आधार पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के अंतर्गत आगामी कार्रवाई की जाएगी।

मेट्रो एंकर — कालसर्प दोष से मुक्ति के बताए जा रहे उपाय

23 साल बाद फिर ऐसा संयोग, सोमवार को नागपंचमी

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

सावन का महीना चल रहा है और सावन के महीने में सावन का सोमवार बहुत खास माना जाता है। इस दिन लोग व्रत रहते हैं, भगवान भोलेनाथ की विशेष पूजा करते हैं। इस बार सावन के महीने में सावन के तीसरे सोमवार को नाग पंचमी का भी शुभ दिन पड़ रहा है, जो बहुत ही दुर्लभ संयोग माना जा रहा है। कहा जा रहा है कि शिव भक्तों के लिए ये बहुत ही बेहतर मौका है।

पंडित गोपाल शास्त्री ने बताया कि श्रावण शुक्ल पक्ष पंचमी तिथि सावन का तीसरा सोमवार जो की 17 अगस्त को पड़ रहा है इसी दिन नाग पंचमी का भी शुभ दिन है और यह बहुत ही बढ़िया संयोग है, दुर्लभ संयोग है। 23 सालों बाद ऐसा योग

बन रहा है, इससे पहले साल 2003 में ऐसा योग बना था। भगवान भोलेनाथ के गले में नाग देवता को लिपटा कर और उनकी एक साथ पूजा करने से यह दिन और खास बन जाता है और फलदाई माना जाता है।

पंडित गोपाल शास्त्री ने कहा कि सावन का सोमवार हो और नाग पंचमी का त्योहार पड़े तो यह दिन बहुत ही विशेष होता है और इस दिन शिवजी की विशेष पूजा होती है। जिन जातकों पर कालसर्प दोष है, या नाग दोष है, तो उस दिन विशेष रूप से शिवजी के ऊपर आंटे का या तांबे का या चांदी का सर्प बनाकर विधि विधान के साथ शिवजी की पूजा की जाए, आराधना की जाए तो कालसर्प दोष से मुक्ति मिलती है। इस दिन नागों की पूजा भी की जाती है और नाग पंचमी के दिन जो दंगल होता है वह भी बड़ा प्रभावकारी होता है।

इस बार कई वर्षों के बाद ऐसा संयोग पड़ रहा है कि नाग पंचमी का त्योहार सुबह से लेकर शाम 6=00 बजे तक पड़ रहा है। ऐसे में नाग देवता को भगवान शिव के ऊपर लिपटा कर प्रदोष काल में जो शिवजी की पूजा करते हैं, खासकर चार प्रहर की पूजा करते हैं, जिसमें सुबह 6 से 9 बजे, फिर 9 से 12 बजे फिर दोपहर में 12 से 3 और शाम को 3 से 6 बजे के बीच चार प्रहर की पूजा करते हैं तो पूजा संपन्न मानी जाती है पंडित गोपाल शास्त्री बताते हैं कि सावन के तीसरे सोमवार के दिन जब मिट्टी की मूर्ति बनाएं तो भगवान शिव की मिट्टी की मूर्ति बनाएं तो एक सर्प बनाएं उसे शिवजी के ऊपर लपेट दें और फिर शिवजी की पूजा करें। दूध, दही, गंगाजल, शहद, शक्कर आदि से पूजन करें तो विशेष फलदाई होगा। घर में शांति बनेगी, घर में सर्प दोष का प्रभाव नहीं होगा, घर में मंगल ही मंगल रहेगा।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री लो.नि.वि. (वि/या.) संभाग क्र. 1, शेड नं. 11–ए वारह दफ्तर जबाहर चौक भोपाल पिन–कोड 462003

web site: www.mppwd.gov.in email:- eepwdelecbpl@mp.nic.in

–: निविदा आमंत्रण सूचना :–

निविदा क्रमांक 75/2026–27 भोपाल, दिनांक 11/08/2026

निम्नलिखित कार्यो के लिये ई–टेण्डरिंग द्वारा ऑन–लाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। कार्य का विवरण **http://www.mptenders.gov.in** पर भी देखी जा सकती है।

क्र.	पोर्टल टेंण्डर नं.	जिला	कार्य का प्रकार	कार्य का नाम	आमंत्रण क्र.	ठेके की अनु. राशि (लाख में)
1	2	3	4	5	6	7
1	2026_PWDRB_528749_1	भोपाल	वार्षिक राशन कार्य	लोक निर्माण विभाग निर्माण मण्डल एवं (वि/या.) संभाग क्र. 1 भोपाल के अन्तर्गत पाईपलाईन/ केबल प्रष्यारण दर पर चालान सहित एवं बिना ड्रैमम आवात्रयुक्ति खाद बिछाये पर उपर्युक्त करने हेतु। (Scorpio-N or Equivalent Vehicle)	प्रथम	55.728

उपरोक्त वेब साईट से ऑन लाईन सूचना करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेप्डर दस्तावेज) वेब साईट के माध्यम से दिनांक 31/08/2026 सायं 5.30 बजे तक प्राप्त हो सकेगा। विस्तृत एन. आई. टी एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेब साईट मे देखी जा सकती है। निविदा में भविष्य में किये जाने वाले संशोधन संशोधनों को शामिल पाने में प्रकाशित नहीं किया जायेगा। यह संशोधन केवल विभागीय वेबसाईट **http://www.mptenders.gov.in** पर ही प्रकाशित किये जायेंगे।

G-17069/26

कार्यपालन यंत्री
लो.नि.वि. (वि./या.) संभाग क्र. 1, भोपाल

अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड से मांगी 14 सितंबर की तारीख

गणेश चतुर्थी पर भारत-अफगानिस्तान की टक्कर! बदलेगा कार्यक्रम

नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली। भारत और अफगानिस्तान के बीच सितंबर में प्रस्तावित तीन मैचों की टी-20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के कार्यक्रम में बदलाव की संभावना बन गई है। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने श्रृंखला का एक मुकाबला 14 सितंबर, गणेश चतुर्थी के दिन कराने की इच्छा जताई है। इस संबंध में बोर्ड ने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड से संपर्क किया है। फिलहाल दोनों बोर्डों के बीच 13, 15 और 17 सितंबर को मुकाबले कराने पर सहमति बनी हुई है। तीनों मैच दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में प्रस्तावित हैं।

मौजूदा कार्यक्रम के अनुसार पहला मुकाबला 13 सितंबर रविवार, दूसरा 15 सितंबर मंगलवार और तीसरा 17 सितंबर गुरुवार को खेला जाना है। अब अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड चाहता है कि 13 या 15 सितंबर में से किसी एक मुकाबले को हटाकर 14 सितंबर सोमवार को मैच कराया जाए। आमतौर पर सोमवार को अंतरराष्ट्रीय मुकाबला कराने पर दर्शकों की संख्या कम रहने की आशंका होती है, लेकिन इस बार गणेश चतुर्थी का त्योहार होने के कारण परिस्थितियां अलग हो सकती हैं। त्योहार के अवसर पर अवकाश और उत्सव का माहौल होने से बड़ी संख्या में दर्शकों के स्टेडियम पहुंचने की उम्मीद है। इसी संभावना को देखते हुए अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड 14 सितंबर को मुकाबला कराने का इच्छुक है।

दिल्ली में होगा क्रिकेट और उत्सव का संगम

यदि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड इस प्रस्ताव को मंजूरी देता है तो भारत और अफगानिस्तान के बीच मुकाबले को गणेश चतुर्थी के दिन विशेष रंग मिल जाएगा। दिल्ली में होने वाला यह मुकाबला क्रिकेट प्रेमियों के साथ त्योहार का आनंद लेने वाले दर्शकों के लिए भी खास आकर्षण बन सकता है। हालांकि, अंतिम निर्णय दोनों क्रिकेट बोर्डों की सहमति के बाद ही होगा। श्रृंखला के प्रसारण अधिकारों को लेकर भी बातचीत चल रही है। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने टेलीविजन प्रसारण के लिए प्रमुख प्रसारण संस्थानों से चर्चा शुरू की है। जानकारी के मुताबिक सोनी स्पोर्ट्स और स्टार स्पोर्ट्स के साथ बातचीत जारी है। वहीं तीनों मुकाबलों का डिजिटल प्रसारण फैनकोड पर होने की संभावना जताई जा रही है। टेलीविजन प्रसारण को लेकर अभी अंतिम निर्णय नहीं हुआ है। श्रृंखला के मीडिया अधिकार और मैदान पर प्रचार-प्रसार की जिम्मेदारी आईटीडब्ल्यू यूनिवर्स के पास है। इस श्रृंखला की एक खास बात यह भी है कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद के भविष्य के दौरा कार्यक्रम के तहत इसे अफगानिस्तान की घरेलू श्रृंखला माना जाएगा, लेकिन तीनों मुकाबले भारत में खेले जाएंगे। अफगानिस्तान पिछले कुछ वर्षों से अपने घरेलू अंतरराष्ट्रीय मुकाबले भारत में आयोजित करता रहा है।

गॉल टेस्ट : 16 साल के सफर में टीम इंडिया की कहानी दिलचस्प

पांच टेस्ट, दो जीत और तीन हार, अब 8 साल बाद फिर गॉल में होगी भारत की अग्निपरीक्षा

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत और श्रीलंका के बीच 15 अगस्त से गॉल इंटरनेशनल स्टेडियम में टेस्ट मुकाबला शुरू होने जा रहा है। इस मैदान से भारतीय टीम की यादें बेहद उतार-चढ़ाव भरी रही हैं। साल 2001 में यहां टेस्ट क्रिकेट का सफर हार से शुरू हुआ था, जबकि 2017 में भारत ने 304 रनों की धमाकेदार जीत के साथ गॉल में अपना पिछला टेस्ट खेला था। अब करीब आठ साल बाद टीम इंडिया फिर इसी मैदान पर उतरने जा रही है।

गॉल में भारत और श्रीलंका के बीच अब तक पांच टेस्ट मुकाबले खेले गए हैं। इनमें भारत को दो मैचों में जीत मिली, जबकि तीन बार उसे हार का सामना करना पड़ा। खास बात यह है कि इस मैदान पर दोनों टीमों के बीच हुआ हर टेस्ट निर्णायक रहा और कोई मुकाबला ड्रॉ नहीं हुआ। गॉल में भारत और श्रीलंका की टेस्ट भिड़ंत पहली बार अगस्त 2001 में हुई थी। सौरव गांगुली की कप्तानी वाली भारतीय टीम को इस मुकाबले में 10 विकेट से हार झेलनी पड़ी थी। भारत पहली पारी में सिर्फ 187 रन बना सका। जवाब में श्रीलंका ने सनत जयसूर्या के 111 और कुमार संगकारा के 105 रनों की मदद से 362 रन बनाए। दूसरी पारी में भी भारतीय बल्लेबाज संघर्ष करते नजर आए और पूरी टीम 180 रन पर सिमट गई। श्रीलंका ने महज छह रन बनाकर मुकाबला अपने नाम कर लिया।

2008 में सहवाग ने दिलाई पहली जीत

जुलाई 2008 में भारत ने गॉल में अपनी पहली जीत दर्ज की। वीरेंद्र सहवाग इस जीत के सबसे बड़े नायक रहे। उन्होंने पहली पारी में शानदार दोहरा शतक जड़ते हुए 201 रन बनाए और दूसरी पारी में भी 50 रन की अहम पारी खेली। भारत ने यह मुकाबला 170 रन से जीता। उस समय टीम की कप्तानी अनिल कुंबले कर रहे थे। मौजूदा भारतीय मुख्य कोच गौतम गंभीर ने भी इस मैच में शानदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने पहली पारी में 56 और दूसरी पारी में 74 रन बनाए थे। जुलाई 2010 में दोनों टीमें एक बार फिर गॉल में आमने-सामने आईं। श्रीलंका ने पहली पारी में 520/8 का विशाल स्कोर खड़ा किया। भारतीय टीम 276 रन पर आउट हो गई और उसे फॉलोऑन खेलना पड़ा। दूसरी पारी में भारत 338 रन ही बना सका।

2015 में हार गया, 2017 में 304 रन की ऐतिहासिक जीत

अगस्त 2015 का टेस्ट भारतीय टीम के लिए सबसे ज्यादा निराशाजनक मुकाबलों में से एक रहा। विराट कोहली की कप्तानी में भारत ने पहली पारी में शिखर धवन के 134 और कोहली के 103 रनों की बदौलत 375 रन बनाए। भारत ने श्रीलंका को पहली पारी में 183 रन पर समेट दिया था और रविचंद्रन अश्विन ने छह विकेट लिए थे। लेकिन दूसरी पारी में दिनेश चांडीमल के 162 रन और रंगना हेराथ की शानदार गेंदबाजी ने मैच का रुख पलट दिया। श्रीलंका ने भारत को 63 रन से हरा दिया। गॉल में भारत का आखिरी टेस्ट जुलाई 2017 में हुआ था। विराट कोहली की कप्तानी में टीम इंडिया ने इस बार श्रीलंका को पूरी तरह पछाड़ दिया। भारत ने पहली पारी में 600 रन बनाए। शिखर धवन ने 190 और चेतेश्वर पुजारा ने 153 रन की शानदार पारियां खेलीं। श्रीलंका पहली पारी में 291 रन पर सिमट गया।

गोलकीपर सविता पुनिया की हुंकार

हॉकी में किसी को भी हरा सकता है भारत टीम में वर्ल्ड कप जीतने की काबिलियत

नई दिल्ली, एजेंसी

विमेंस हॉकी टीम की गोलकीपर सविता पुनिया ने कहा है कि भारत वर्ल्ड कप 2026 में पोडियम फिनिश कर सकता है। जियोहॉस्टार से बातचीत में उन्होंने कहा कि भारत किसी भी टीम को हरा सकता है। हॉकी वर्ल्ड कप 15 से 30 अगस्त तक बेल्जियम और नीदरलैंड में खेला जाएगा। भारत पूल-डी में चीन, साउथ अफ्रीका और इंग्लैंड के साथ है। टीम चीन के खिलाफ 16 अगस्त को टूर्नामेंट में अपने अभियान की शुरुआत करेगी।

इसस पहले विमेंस टीम ने नेशंस कप 2025-26 में गोल्ड मेडल जीता था। टीम ने ऑकलैंड में खेले गए फाइनल में न्यूजीलैंड को 2-0 से हराया। इसके बाद टीम से हॉकी वर्ल्ड कप में अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है।

सविता बोलीं- लगातार तीसरा वर्ल्ड कप खेलना गर्व की बात- सविता पूनिया लगातार तीसरा वर्ल्ड कप खेलेंगी। इस पर उन्होंने कहा- किसी भी खिलाड़ी के लिए ओलिंपिक और वर्ल्ड कप सबसे बड़े मंच होते हैं। देश के लिए खेलना हर एथलीट का सपना होता है। तीसरा वर्ल्ड कप खेलना बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा- मेरे पास ज्यादा एक्सपीरियंस है। मेरी कोशिश प्रेसर सिचुएशन में शांत रहकर टीम को संभालना होगा। मैं अपना बेस्ट देने की कोशिश करुंगी।

खिलाड़ी फिटनेस और डाइट पर खुद ध्यान दे रहे

सविता ने बताया कि पिछले कुछ सालों में भारतीय हॉकी का अप्रोच बदल गया है। पहले खिलाड़ी केवल कोच की गाइडलाइंस मानते थे। अब हर खिलाड़ी अपनी फिटनेस, रिकवरी और डाइट का खुद ध्यान रख रहे हैं। उन्होंने कहा कि गोलकीपरों के लिए हफ्ते में 3 से 4 एक्स्ट्रा ट्रेनिंग सेशन होते हैं। सविता ने टीम की कप्तान सलीमा टेटे की तारीफ करते हुए कहा- वह न सिर्फ बेहतरीन कप्तान हैं, बल्कि शानदार और आक्रामक मिडफील्डर भी हैं। उन्होंने कहा- सलीमा की स्पीड हमारी सबसे बड़ी ताकत है, खासकर पेनल्टी कॉर्नर डिफेंस में।

श्रीलंका: दो स्कूली बच्चों की लड़ाई में हुई 62 वर्षीय कोच की मौत, कुसल मेंडिस से था करीबी रिश्ता

कोलंबो। श्रीलंका में क्रिकेट मैच के दौरान खिलाड़ियों के बीच हुए विवाद के बाद 62 वर्षीय क्रिकेट कोच सुमित फर्नांडो की मौत हो गई। पुलिस ने इस मामले में 17 वर्षीय स्कूली क्रिकेटर को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, आठ अगस्त को पीने के पानी को लेकर दो खिलाड़ियों के बीच विवाद हुआ था, जो बाद में हाथापाई में बदल गया। इस दौरान सुमित फर्नांडो घायल हो गए और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। इलाज के दौरान मंगलवार को उनकी मौत हो गई। मामले में गिरफ्तार 17 वर्षीय खिलाड़ी को मंगलवार को कोलंबो की अदालत में पेश किया गया। अदालत ने उसे 17 अगस्त तक बाल परिवीक्षा हिरासत में रखने का आदेश दिया है। सुमित फर्नांडो प्रिंस ऑफ वेल्स कॉलेज, मोरातुवा में क्रिकेट कोच रह चुके थे। उन्होंने स्कूल के दिनों में श्रीलंका के मौजूदा वनडे कप्तान कुसल मेंडिस को भी प्रशिक्षण दिया था। इसके अलावा उन्होंने स्कूल स्तर के कई अन्य प्रतिभाशाली क्रिकेटरों को भी कोचिंग दी थी। फर्नांडो बाद में श्रीलंका के प्रथम श्रेणी क्रिकेट में खेलने वाले ब्लूमफील्ड क्रिकेट एंड एथलेटिक क्लब के क्यूरेटर भी रहे।

राजकुमारी मत बनो..., फैन ने लाइव मैच में स्मिथ को किया ट्रोल

डार्विन। ऑस्ट्रेलिया और बांग्लादेश के बीच डार्विन में खेले जा रहे टेस्ट सीरीज के पहले मुकाबले में एक मजेदार वाकया देखने को मिला। पहले दिन के खेल में जब ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने साइट स्क्रीन में परेशानी के कारण कुछ देर के लिए खेल रुकवाया, तो स्टैंड्स में मौजूद एक फैन का सब्र जवाब दे गया। उसने स्मिथ को ऐसी बात कह दी, जो चर्चा का विषय बन गया। ऑस्ट्रेलिया का टॉप ऑर्डर बांग्लादेशी तेज गेंदबाजों के सामने बुरी तरह लड़खड़ा चुका था और स्टीव स्मिथ पर पारी संभालने की जिम्मेदारी थी। इसी दौरान साइट स्क्रीन को लेकर उन्हें परेशानी हुई और उन्होंने गेंदबाज को रुकने का इशारा किया। खेल शुरू होने में थोड़ी देरी हुई तो फैन ने सीधे स्मिथ को निशाने पर ले लिया। स्टैंड्स में मौजूद फैन ने गुस्से और मजाकिया अंदाज में स्मिथ को दोबारा बल्लेबाजी शुरू करने के लिए कहा। फैन ने चिल्लाते हुए कहा, बस गेंद को मारो, स्मज (स्मिथ का निकनेम)। राजकुमारी मत बनो। तुम खेल से बड़े नहीं हो स्टीव, इससे निपटो। फैन की यह टिप्पणी कैमरे में कैद हो गई।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

श्रीदेवी की याद में प्रियंका का खास अंदाज, जल्द आएगी 'एम्प्रेस' में छिपी जिंदगी की अनकही कहानी

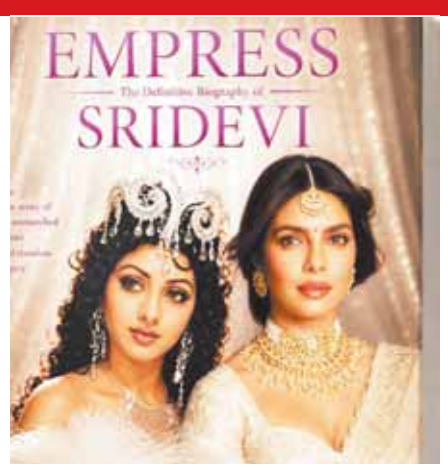

हिंदी सिनेमा की दिग्गज अभिनेत्री श्रीदेवी भले ही दुनिया को अलविदा कह चुकी हैं, लेकिन उनकी फिल्मों और किरदारों की याद आज भी दर्शकों के बीच जिंदा है। उनकी जयंती पर अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा ने सोशल मीडिया के जरिए श्रीदेवी को याद किया और उनकी जिंदगी पर आधारित एक नई किताब की झलक साझा की। प्रियंका ने किताब का आवरण साझा करते हुए श्रीदेवी को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं और लिखा कि उन्हें हमेशा याद किया जाएगा।

प्रियंका चोपड़ा ने अपनी सामाजिक माध्यम की कहानी में 'एम्प्रेस- द डेफिनिटिव बायोग्राफी ऑफ श्रीदेवी' नाम की किताब का आवरण साझा किया। किताब के आवरण पर अमिताभ बच्चन की ओर से श्रीदेवी की प्रतिभा को लेकर कही गई प्रशंसा भी दिखाई देती है। प्रियंका ने अपने संदेश में श्रीदेवी को याद करते हुए बताया कि यह किताब जल्द पाठकों के बीच आने वाली है। उनके इस पोस्ट को श्रीदेवी के पति और फिल्म निर्माता बोनी कपूर ने भी अपनी सामाजिक माध्यम की कहानी में साझा किया। श्रीदेवी की जिंदगी पर आधिकारिक जीवनी लिखे जाने की घोषणा वर्ष 2023 में वेस्टलैंड बुक्स की ओर से की गई थी। उस समय किताब का नाम 'श्रीदेवी- द लाइफ ऑफ अ लेजेंड' बताया गया था। इसमें अभिनेत्री के बचपन, फिल्मी सफर, निजी जिंदगी और भारतीय सिनेमा में उनके प्रभाव को समेटने की बात कही गई थी। श्रीदेवी ने खास तौर पर 1980 और 1990 के दशक में हिंदी सिनेमा में अपनी अलग पहचान बनाई।

परिवार के करीबी रहे हैं लेखक धीरज कुमार

इस जीवनी को लेखक, शोधकर्ता और स्तंभकार धीरज यू. कुमार लिख रहे हैं। यह उनकी पहली किताब बताई जा रही है। श्रीदेवी के परिवार से उनके करीबी संबंध रहे हैं और बताया जाता है कि अभिनेत्री उन्हें अपने परिवार का हिस्सा मानती थीं। बोनी कपूर ने भी किताब की घोषणा के दौरान धीरज कुमार की भूमिका को लेकर भरोसा जताया था। उनका मानना था कि श्रीदेवी के करीब रहने के कारण लेखक उनके जीवन और व्यक्तित्व को बेहतर तरीके से समझते हैं। किताब में श्रीदेवी के अभिनय सफर के साथ उनकी निजी जिंदगी और पर्दे के पीछे की घटनाओं से जुड़े कई पहलुओं को जगह मिलने की उम्मीद है। उनके बचपन से लेकर सफलता के शिखर तक के सफर को विस्तार से सामने लाने की कोशिश की जा रही है।

परेश रावल के 'लक्ष्मी' वाले पोस्ट पर राजपाल का मजेदार जवाब- 'मालामाल होना जरूरी

बॉलीवुड के मशहूर एक्टर-कॉमेडियन परेश रावल और राजपाल यादव सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहते हैं। सोशल मीडिया पर दोनों की बातचीत लोगों का ध्यान खींच रही है। असल में हुआ ये कि परेश रावल ने एक ट्वीट किया, जिस पर सेलेब्स रिएक्ट कर रहे हैं। अब राजपाल यादव ने परेश रावल की पोस्ट पर ऐसा कमेंट कर दिया कि हर किसी नजरें वहीं टिक गईं।

परेश रावल ने हाल ही में सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर की, जिसमें उन्होंने माता लक्ष्मी की चंचलता और पैसे के सही इस्तेमाल पर बात की। उन्होंने लिखा, माता लक्ष्मी चंचल हैं, वो कभी एक जगह नहीं टिकतीं। उनका उल्लू पर सवार होना हमें सिखाता है कि सिर्फ मालामाल होना काफी नहीं है। थोड़ी बुद्धि और विवेक भी जरूरी है, वरना पैसा आते ही इंसान, पैसा संभालने के बजाय, खुद ही उल्लू बन जाता है। परेश रावल का ये ट्वीट तेजी से वायरल हुआ और कई सेलेब्रिटीज ने इस पर अपनी प्रतिक्रिया दी। परेश रावल के इसी ट्वीट पर राजपाल यादव ने कमेंट बॉक्स में लिखा, ये तो बढ़िया बात है, मालामाल होना जीवन में जरूरी है। राजपाल का ये टोन और अंदाज फैंस को खूब पसंद आया, क्योंकि उनकी और परेश रावल की जोड़ी बॉलीवुड में हमेशा से कॉमेडी का तड़का लगाती रही है। राजपाल से पहले एल्विश यादव ने ट्वीट करते हुए लिखा कि बिल्कुल सही। माता लक्ष्मी चंचल हैं, इसलिए पैसा आते ही उसे संभालना भी सीखना चाहिए।वरना आज आदमी बोलेगा मैं करोड़पति हूं और कल बैंक बैलेंस देखकर खुद बोलेगा। हे लक्ष्मी माता, आप आई थीं या बस दर्शन देकर चली गईं?

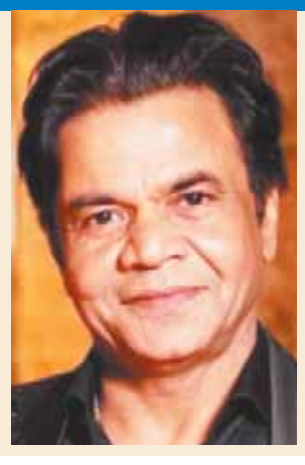

टाटा ट्रस्ट ने शुरू की अगले टाटा संस चेयरमैन की तलाश

एन. चंद्रशेखरन के उत्तराधिकारी के चयन के लिए बनेगी समिति

मेट्रो बाजार

मुंबई। टाटा समूह में नेतृत्व परिवर्तन की प्रक्रिया औपचारिक रूप से शुरू हो गई है। टाटा संस के मौजूदा चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन द्वारा फरवरी 2027 में अपना कार्यकाल समाप्त होने के बाद पुनर्नियुक्ति नहीं लेने का फैसला किए जाने के एक दिन बाद टाटा ट्रस्ट्स ने उनके उत्तराधिकारी की तलाश करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। टाटा संस के प्रमुख शेयरधारक सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट ने कहा कि ट्रस्ट के न्यासियों ने एक प्रस्ताव पारित कर चयन समिति गठित करने का निर्णय लिया है। यह समिति टाटा संस के आर्टिकल्स ऑफ एसोसिएशन के अनुरूप अगले चेयरमैन के नाम की सिफारिश करेगी।ट्रस्ट ने अपने बयान में कहा कि नेतृत्व परिवर्तन की प्रक्रिया को सुव्यवस्थित और समयबद्ध तरीके से पूरा करने के लिए चयन समिति का गठन जल्द से जल्द किया जाएगा, जिसका उद्देश्य टाटा समूह की होल्डिंग कंपनी टाटा संस में बिना किसी व्यवधान के नेतृत्व हस्तांतरण सुनिश्चित करना है। सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट ने चंद्रशेखरन के निर्णय का सम्मान करते हुए उनके नेतृत्व की सराहना की। ट्रस्ट ने कहा कि वह टाटा संस को एक सुगम, समयबद्ध और व्यवस्थित नेतृत्व परिवर्तन सुनिश्चित करने में पूरा सहयोग देगा, ताकि समूह के दीर्घकालिक हितों और मूल्यों की रक्षा की जा सके। यह घटनाक्रम उस घोषणा के बाद सामने आया है जिसमें एन. चंद्रशेखरन ने टाटा संस बोर्ड को सूचित किया था कि वह अगले कार्यकाल के लिए अपना नाम आगे नहीं बढ़ाएंगे।

वैश्विक उथल-पुथल में एसबीआई की उपलब्धि, 50 करोड़ डॉलर जुटाए; निवेशकों ने 5 गुना लगाई बोली

नई दिल्ली। वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने अंतरराष्ट्रीय बाजार में अपनी मजबूत साख का प्रदर्शन करते हुए 50 करोड़ डॉलर जुटाए हैं। बैंक ने अपनी लंदन शाखा के जरिए 50 करोड़ डॉलर के रेगुलेशन-एस बॉन्ड जारी किए, जिन पर 5.25 प्रतिशत कूपन दर तय की गई। एसबीआई चेयरमैन चल्ला श्रीनिवासुलु सेट्टी ने इसे वैश्विक निवेशकों के भारतीय अर्थव्यवस्था और बैंक की वित्तीय मजबूती पर बढ़ते भरोसे का प्रमाण बताया।

एसबीआई के अनुसार, बॉन्ड का मूल्य निर्धारण अमेरिकी पांच वर्षीय ट्रेजरी यील्ड के ऊपर महज 88 बेसिस प्वाइंट के स्प्रेड पर किया गया। इसे भारतीय सार्वजनिक क्षेत्र की संस्थाओं के बॉन्ड निर्गमों में बेहद प्रतिस्पर्धी मूल्य माना जा रहा है। खास बात यह रही कि शुरुआत में बैंक ने अमेरिकी ट्रेजरी यील्ड के ऊपर करीब 120 बेसिस प्वाइंट के स्प्रेड का संकेत दिया था। लेकिन निवेशकों की जबरदस्त मांग के बाद इसे घटाकर 88 बेसिस प्वाइंट कर दिया गया। यानी स्प्रेड में 32 बेसिस प्वाइंट की कमी आई और बैंक को कम लागत पर विदेशी पूंजी जुटाने में सफलता मिली।

एसबीआई के बॉन्ड निर्गम को वैश्विक निवेशकों से जोरदार प्रतिक्रिया मिली। कुल 145 निवेशकों ने इसमें रुचि दिखाई और ऑर्डर बुक बढ़कर 2.46 अरब डॉलर तक पहुंच गई। यह निर्गम के आकार से करीब पांच गुना अधिक है। मजबूत मांग ने बैंक को बेहतर शर्तों पर बॉन्ड की कीमत तय करने में मदद की। एसबीआई चेयरमैन सेट्टी ने कहा कि मौजूदा वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच इतनी प्रतिस्पर्धी कीमत पर पूंजी जुटाना बैंक के बॉन्ड में मजबूत निवेशक रुचि और उसके व्यापक अंतरराष्ट्रीय निवेशक आधार को दर्शाता है।

नेचर लवर्स के लिए जन्नत हैं झारखंड के ये हिल स्टेशन

झारखंड भले ही उत्तराखंड और हिमाचल जितना लोकप्रिय पर्यटन स्थल न हो, लेकिन यहां के घने जंगल, पहाड़ और झरने प्रकृति प्रेमियों को खूब आकर्षित करते हैं। अगर आप भीड़भाड़ से दूर शांत और खूबसूरत जगह पर छुट्टियां बिताना चाहते हैं, तो झारखंड के इन हिल स्टेशनों का रुख कर सकते हैं।

नेतरहाट: रांची से करीब 150 किमी दूर स्थित नेतरहाट को 'छोटा नागपुर की रानी' कहा जाता है। यहां सूर्योदय और सूर्यास्त के अलावा कोयल व्यू पॉइंट, मैग्नोलिया पॉइंट और घाघरी जलप्रपात आकर्षण का केंद्र हैं।

पारसनाथ: गिरिडीह जिले में स्थित पारसनाथ पहाड़ी धार्मिक और प्राकृतिक सुंदरता के लिए प्रसिद्ध है। सम्मेद शिखरजी, उसरी जलप्रपात और खंडोली पहाड़ी यहां घूमने लायक जगहें हैं।

दलमा हिल: झारखंड-बंगाल सीमा के पास स्थित दलमा अपने हरे-भरे जंगलों और प्राकृतिक नजारों के लिए जाना जाता है। दलमा अभयारण्य और डिमना झील प्रमुख आकर्षण हैं।

सुवर्णरेखा नदी के किनारे बसा घाटशिला शांत वातावरण के लिए मशहूर है। बुरुडीह झील, फुलडुंगरी हिल्स और धारागिरी जलप्रपात यहां की खूबसूरती बढ़ाते हैं।

न्यूज विंडो

गया में पुराने कुएं में जहरीली गैस की आशंका, 4 ग्रामीण फंसे

डोभी। गया जिले के डोभी थाना क्षेत्र के करमौनी गढ़ गांव में पुराने कुएं में जहरीली गैस की चपेट में आने की आशंका से अफरातफरी मच गई। कुएं में उतरे कई ग्रामीणों के फंसे होने की सूचना है। प्रशासन ने अब तक दो लोगों को कुएं से बाहर निकाला है। लोगों का कहना है कि दो का शव निकाला गया है, हालांकि प्रशासन ने अभी तक किसी की मौत की पुष्टि नहीं की है। घटना की सूचना मिलते ही प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। कुएं में फंसे लोगों को निकालने के लिए अग्निशमन विभाग का एक जवान ऑक्सीजन मास्क लगाकर कुएं में उतरा लेकिन कुछ देर बाद वह भी बेहोश होकर अंदर गिर गया। किसी तरह उसे बाहर निकाला गया।

पनीर में मिलाया कपड़े धोने वाला वाइटनर, 400 किलो रोज की सप्लाई

गाजियाबाद। बाजार से रुपये बचाने के चक्कर में सस्ता पनीर खरीदना अब आपकी सेहत पर भारी पड़ सकता है। गाजियाबाद जिले के भोजपुर थाना क्षेत्र के नाहली गांव में पनीर तैयार करने वाली तीन फैक्टरियों पर खाद्य सुरक्षा विभाग की छापेमारी में बड़े पैमाने पर मिलावट का खुलासा हुआ है। यहां पनीर को सफेद और ज्यादा वजनदार बनाने के लिए कपड़े धोने में इस्तेमाल होने वाला वाइटनर, पामोलीन ऑयल, दूध पाउडर और कई हानिकारक केमिकल मिलाए जा रहे थे। खाद्य विभाग की टीम ने बुधवार रात कार्रवाई करते हुए तीनों फैक्टरियों से 868 किलो पनीर और 170 किलो खोया मौके पर ही नष्ट कराया। साथ ही वहां से विभिन्न केमिकल समेत 20 नमूने जांच के लिए लखनऊ लैब भेजे गए हैं। सहायक आयुक्त खाद्य-2 सुरेश कुमार मिश्रा ने बताया कि लोगों की सेहत से खिलवाड़ करने के मामले में नाहली निवासी फैक्टरी संचालकों कलवा, सकील और कफील के खिलाफ भोजपुर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। आरोपियों पर बीएनएस की धारा 123 (जहरीला या विषैला पदार्थ देना), 275 (हानिकारक भोजन की बिक्री) समेत अन्य गंभीर धाराओं में केस दर्ज किया गया है।

देश में गुलामी का कारण आंतरिक मतभेद और षड्यंत्र थे: सीएम योगी

नई दिल्ली/लखनऊ। सीएम योगी ने शुक्रवार को 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने इतिहास से सीख लेने पर जोर देते हुए कहा कि भारत में बल, बुद्धि और वैभव की कभी कोई कमी नहीं थी, फिर भी देश को सदियों की गुलामी का दंश झेलना पड़ा मुख्यमंत्री ने कहा,

'हमें अक्सर यह सोचकर आश्चर्य होता है कि आखिर यह देश गुलाम क्यों हुआ? गुलामी के पीछे का मुख्य कारण क्या था? ऐसा बिल्कुल नहीं है कि हमारे पास शक्ति, बुद्धि या धन-धान्य की कोई कमी रही हो। दुनिया में हमसे ज्यादा बलशाली, वैभवशाली और बुद्धिमान कोई नहीं था।' सीएम योगी ने गुलामी के दो मुख्य कारणों को चिह्नित करते हुए कहा, 'हमारा देश मुख्य रूप से दो वजहों से गुलाम हुआ- पहला, हमारे अपने आपसी अंतर्विरोध और दूसरा, बाह्य व आंतरिक षड्यंत्र।' जब समाज में जाति, क्षेत्र और भाषा के नाम पर विभाजन और अंतर्विरोध पनपता है, तो षड्यंत्रकारियों को अपनी चालों में सफल होने का अवसर मिल जाता है।

छपरा में 100 दुकानों में पानी घुसा, कॉलोनियों में नावें चलीं

यूपी से हिमाचल और बिहार तक बारिश-लैंडस्लाइड का कहर

लखनऊ, देहरादून एजेंसी

देश भर में मानसून ने फिर रफ्तार पकड़ ली है। पहाड़ी इलाकों से लेकर मैदानी क्षेत्रों तक बारिश और बाढ़ जैसे हालात हैं। यूपी के 16 जिलों में 80 से ज्यादा गांव बाढ़ प्रभावित हैं। उन्नाव में पानी घरों में घुस गया है। लोग छतों पर रहने को मजबूर हैं। कॉलोनियों में नावें चल रही हैं। कानपुर में गंगा का पानी खतरे के निशान के करीब पहुंच गया है। वाराणसी में गंगा का जलस्तर बढ़ने से घाट किनारे 100 से ज्यादा छोटे मंदिर डूब गए हैं।

हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश और लैंडस्लाइड ने रेल और सड़क यातायात प्रभावित किया है। कांगड़ा में पठानकोट-बैजनाथ पपरोला रेल सेक्शन पर ट्रैक पर चट्टानें गिरने से 4 ट्रेन सेवाएं अगले आदेश तक रद्द कर दी गई हैं। सोलन के वकनाघाट में चंडीगढ़-शिमला हाईवे पर भारी बारिश के बाद घना कोहरा छाया, जिससे विजिबिलिटी काफी कम हो गई और वाहन चालकों को परेशानी हुई।

बिहार के कई जिलों में 13 अगस्त की शाम बारिश ने उमस भरी गर्मी से राहत दिलाई। पटना में अधिकतम तापमान 36.3 डिग्री और न्यूनतम 29.4 डिग्री दर्ज किया गया। वहीं, छपरा में 45 मिनट की तेज बारिश से शहर के कई इलाकों में जलजमाव हो गया। मुख्य सड़कों और चौक-चौराहों पर डेढ़ से ढाई फीट तक पानी भर गया। करीब 100 दुकानों में भी पानी घुस गया। राज्य के 18 जिलों में आज आंधी, बारिश और बिजली गिरने की आशंका है।

हिमाचल में बरसात से अबतक 173 लोगों की मौत

हिमाचल प्रदेश में मानसून के दौरान 30 जून से 14 अगस्त तक प्राकृतिक आपदाओं और सड़क हादसों में कुल 173 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं, प्रदेश को अब तक 936.63 करोड़ रुपये से अधिक सार्वजनिक और निजी संपत्ति का नुकसान हुआ है। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला की ओर से जारी ताजा पूर्वानुमान के अनुसार प्रदेशवासियों और पर्यटकों के लिए चेतावनी जारी की है।आने वाले पूरे सप्ताह 19 अगस्त तक राज्य में वर्षा का दौर बना रहेगा। 14, 17 और 18 अगस्त को राज्य के कई हिस्सों में बहुत भारी वर्षा होने की संभावना जताई गई है। आज चंबा, कांगड़ा, मंडी और सिरमौर में भारी वर्षा का यलो अलर्ट रहेगा। 14 अगस्त को बिलासपुर, कांगड़ा और सिरमौर में बहुत भारी वर्षा का आरेंज अलर्ट है। इसी दिन हमीरपुर, चंबा, मंडी, शिमला और सोलन में भारी वर्षा का यलो अलर्ट रहेगा।

पुलिस-फायर सर्विस के 301 कर्मियों को गैलेंट्री अवॉर्ड

» नक्सल इलाकों के 197 जवान, कुल 1057 लोगों को मेडल

» स्वतंत्रता दिवस पर केंद्र का ऐलान

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्र सरकार ने स्वतंत्रता दिवस 2026 के मौके पर पुलिस, फायर सर्विस, होम गार्ड, सिविल डिफेंस और जेल सेवाओं के 1,057 कर्मियों को गैलेंट्री और सर्विस मेडल देने का ऐलान किया है।

इनमें 301 गैलेंट्री मेडल, 92 प्रेसिडेंट्स मेडल फॉर डिस्टिंग्विश्ड सर्विस और 664 मेडल फॉर मेरिटोरियस सर्विस शामिल हैं। इनके अलावा छत्तीसगढ़ के 21 अधिकारियों और कर्मचारियों को भी उनकी सेवा के लिए राष्ट्रपति पदक से सम्मानित किया गया है।

कुल 301 गैलेंट्री मेडल में 272 पुलिसकर्मी और 29 फायर सर्विस कर्मी शामिल हैं। इनमें सबसे ज्यादा 197 कर्मी लेफ्ट विंग एक्सट्रीमिज्म यानी नक्सल प्रभावित इलाकों में तैनात हैं।

इसके अलावा जम्मू-कश्मीर के 51, नॉर्थ-ईस्ट के 12 और अन्य क्षेत्रों के 41 कर्मियों को भी गैलेंट्री मेडल दिया गया है। गैलेंट्री मेडल ऐसे कर्मियों को दिया जाता है जिन्होंने जान बचाने, संपत्ति की रक्षा करने, अपराध रोकने या अपराधियों को पकड़ने के दौरान असाधारण बहादुरी दिखाई हो।

हमारा आंदोलन खत्म करना चाहते हैं कुछ लोग सही समय पर करूंगा खुलासा: देवेंद्रनाथ महतो

रांची। झारखंड में JPSC और JSSC में गड़बड़ी के खिलाफ छात्रों का आंदोलन लगातार जारी है। इस बीच 13 दिन से भूख हड़ताल कर रहे छात्र नेता देवेंद्र नाथ महतो ने अस्पताल से बड़ा दावा किया है।

उन्होंने कहा कि जिस आंदोलन को वह जुलाई से गढ़ रहे हैं, उस आंदोलन की दिशा को भटकाने की कोशिशें की जा रही हैं। इस आंदोलन की वजह से आज एक जांच समिति बनाई गई है। सरकार भी हमारी बातों को सकारात्मक रूप से सुन रही है, लेकिन पूरा न्याय अभी बाकी है।

उन्होंने कहा, 'मेरे आंदोलन के शुरू होने के लगभग 29-30 दिन बाद कुछ लोग इस आंदोलन को खत्म करना चाहते हैं। सही समय आने पर मैं सब कुछ उजागर करूंगा। मैं निर्दोष छात्रों से अपील करता हूं कि वे इस आंदोलन को भटकने न दें। हालात चाहे जैसे भी हों, आंदोलन को बचाए रखें और एकजुट रहें।'

दुलीना वैन हत्याकांड: काला जठेड़ी समेत 16 आरोपी बरी

14 साल पहले पुलिस वैन में की थी चार कैदियों की हत्या

झज्जर। अतिरिक्त सत्र अदालत के न्यायाधीश सुखप्रीत सिंह ने 10 मार्च 2012 के दुलीना वैन हत्याकांड में गैंगस्टर संदीप उर्फ काला जठेड़ी, अनिल उर्फ छिप्पी, राजू बसौदी और नरेश उर्फ शेट्टी समेत 16 आरोपितों को बरी कर दिया है। अदालत ने 106 पृष्ठों के फैसले में कहा कि चार बंदियों की हत्या हुई थी, यह चिकित्सीय और वैज्ञानिक साक्ष्यों से सिद्ध है, लेकिन अभियोजन यह साबित नहीं कर सका कि कटघरे में खड़े आरोपित ही हत्यारे थे।

आरोपितों में से एक पक्ष के अधिवक्ता सुधीर मोहन ने बताया कि पहचान संबंधित खामियों, शिनाख्त परेड न होने,

स्वतंत्र गवाहों की कमी और इलेक्ट्रानिक साक्ष्यों में कानूनी कमियों के चलते अदालन ने सभी को साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया।

ट्रक से टक्कर मारकर रोकी थी वैन, फिर बरसाईं गोलियां

10 मार्च 2012 को रोहतक पुलिस लाइन का एस्कार्ट गार्ड दल स्वराज माजदा वैन में पांच बंदियों को रोहतक कोर्ट से पेशी के बाद भोंडसी जेल ले जा रहा था। दोपहर करीब 3:15 बजे दुलीना जेल और नौरंगपुर मोड़ के पास पीछे से आए तेज रफ्तार ट्रक ने वैन को टक्कर मारी। वैन रुकते ही तीन सफेद कारों में सवार 10-12 हथियारबंद युवकों ने उसे घेर लिया और अंदर घुसकर ताबड़तोड़ गोलियां बरसा दीं।

मेट्रो एंकर

टैरिफ से बचने के लिए 'रूट बदलो' खेल, अमेरिका ने लगाया गंभीर आरोप

चीन को अमेरिकी टैरिफ से बचने में मदद कर रहे भारत समेत 40 देश

वाशिंगटन, एजेंसी

डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने भारत, कनाडा और यूरोपीय संघ समेत अमेरिका के 40 से ज्यादा व्यापारिक साझेदारों की पहचान की है। इन पर आरोप है कि वे एक 'शैडो ट्रांस-शिपमेंट नेटवर्क' यानी कि अवैध माल ढुलाई नेटवर्क चलाकर चीन को टैरिफ से बचने में मदद कर सकते हैं, जिससे जोखिम पैदा हो सकता है। अमेरिका ने ऐसी गैर-कानूनी गतिविधियों का पता लगाने और उन पर जुर्माना लगाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल करने का संकल्प लिया है।

'द ग्रेट ट्रांसशिपमेंट स्कैम' नाम की व्हाइट हाउस की रिपोर्ट में 'गैर-कानूनी ट्रांसशिपमेंट' से जुड़ी लंबे समय से चली आ रही चिंता की आलोचना की गई है। इसमें बताया गया है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से लगाए गए ऊंचे शुल्क से बचने के लिए सामान को किसी ऐसे तीसरे देश के रास्ते भेजा जा सकता है, जहां

अमेरिका का टैरिफ कम हो। रिपोर्ट में बताए गए अन्य देशों में ताइवान, मैक्सिको, जापान, दक्षिण कोरिया और वियतनाम शामिल हैं।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के मुख्य व्यापार सलाहकार पीटर नवारो की रिपोर्ट में कहा गया है कि 2018 के बाद ट्रांसशिपमेंट (एक देश से दूसरे देश के रास्ते सामान भेजना) ज्यादा होने लगा। यह तब हुआ जब ट्रंप प्रशासन ने अनुचित व्यापार तौर-तरीकों का मुकाबला करने के लिए चीन पर सेक्शन 301 के तहत टैरिफ लगाए। नवारो ने पत्रकारों से कहा, 'वर्षों से, इस बड़े ट्रांसशिपमेंट घोटाले की वजह से कम्युनिस्ट चीन 40 से ज्यादा देशों के जरिए अपने निर्यात को दूसरे देशों में भेजकर उन्हें अपना माल बताकर बेचता रहा है।'

यह 40 देश ही क्यों?

रिपोर्ट में 40 से ज्यादा ऐसे देशों का जिक्र किया गया है, जहां गैर-कानूनी ट्रांसशिपमेंट का जोखिम ज्यादा है। इसमें कहा गया है कि कुछ अर्थव्यवस्थाओं के लिए, ट्रांसशिपमेंट का जोखिम बड़े पैमाने पर होने वाले वैध व्यापार का ही एक हिस्सा बन गया है। कुछ अन्य देश चीन से जुड़ी सप्लाई चेन से ज्यादा जुड़े हुए पाए गए। वहीं, एक तीसरे समूह को अमेरिका तक खास पहुंच जैसे फायदे हासिल थे, जो उन्हें सामान का रूट बदलने के लिए आकर्षक और सुविधाजनक लक्ष्य बनाते हैं। नवारो ने रिपोर्ट में कहा, 'चीन ने इन तीसरे देशों का इस्तेमाल मामूली प्रोसेसिंग, री-लेबलिंग, री-पैकेजिंग, री-इनवॉइसिंग या रूटिंग में बदलाव के लिए करना शुरू कर दिया, जिससे ऐसा लगता था कि सामान किसी नए देश का है, जबकि असल में उसमें चीनी सामग्री वैसी ही बनी रहती थी।'

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक राजेश सिरोठिया द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। संपादक राजेश सिरोठिया स्थानीय संपादक अनिल शर्मा* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) फोन : 0755-7963564